श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 190

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

भिलाई, गुरूवार 28 अप्रैल 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

नवनिर्वाचित विधायक यशोदा वर्मा ने ली छत्तीसगढ़गी भाषा में पद एवं गोपनीयता की शपथ

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने आज यहां विधानसभा के नवीन समिति कक्ष में खैरागढ़ विधानसभा क्षेत्र की नवनिर्वाचित विधायक श्रीमती यशोदा वर्मा को छत्तीसगढ़ी भाषा में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी।

शपथ ग्रहण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने श्रीमती यशोदा वर्मा को गुलदस्ता भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। संसदीय कार्य मंत्री रविंद्र चौबे, गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव, सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत सहित अनेक मंत्रीगण, संसदीय सचिवगण, विधायकगण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। विधानसभा के सचिव दिनेश शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

बीएसएफ जवान ने की खुदकुशी, सर्विस राइफल से खुद को मारी गोली, मौके पर मौत

कांकेर। कांकेर में गुरुवार सुबह बीएसएफ के एक जवान ने खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली। जवान पश्चिम बंगाल का रहने वाला था। जवान ने खुदकुशी किस वजह से की इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। जवान ने सुबह छह बजे बैरक में खुद को गोली मार ली थी। एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने मामले की जानकारी दी। घटना कांकेर के कामटेडा कैंप की है। बताया जाता है कि जवान उज्जवल नंदी बीएसएफ की 30वीं बटालियन का था।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जानकारी के मुताबिक नंदी सुबह लगभग सात बजे अपने बैरक में था तब उसने खुद को गोली मार ली। जब शिविर में मौजूद अन्य जवानों को इस घटना की जानकारी मिली तब उन्होंने इसकी सूचना अधिकारियों को दी और जवान को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आत्महत्या के कारणों के संबंध में अभी तक जानकारी नहीं मिली है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में मिशन-2023 की तैयारियों में जुटी भाजपा, हाईकमान ने डॉ. रमन सहित कई नेताओं को दिल्ली बुलाया

दिल्ली तक पहुंची गुटबाजी का असर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में डेढ़ साल बाद विधानसभा चुनाव होना है, लेकिन खैरागढ़ उप चुनाव में कांग्रेस से मिली हार ने भारतीय जनता पार्टी की चिंता बढ़ा दी है। विधानसभा चुनाव के पहले पार्टी की दशा और दिशा सुधारने हाईकमान ने प्रदेश संगठन के बड़े नेताओं को दिल्ली तलब किया है। विधानसभा के बाद नगरीय निकाय और उप चुनावों में भाजपा की हार का असर चुनावी कमान संभाल रहे दिग्गज नेताओं पर पड़ता दिख रहा है।

दरअसल, भाजपा हाईकमान ने 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय और महामंत्री (संगठन) पवन साय को दिल्ली बुलाया है। बताया जा रहा है कि इन नेताओं की राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और महामंत्री (संगठन) शिवप्रकाश के साथ बैठक हो सकती है। सूत्र बताते हैं कि भाजपा की प्रदेश प्रभारी डी पुरंदेश्वरी लगातार छत्तीसगढ़ का दौरा कर गई हैं। उन्होंने रायपुर से लेकर बस्तर तक की रिपोर्ट संगठन को सौंपी है, जिसमें संगठन में बड़े पैमाने पर बदलाव की जरूरत पर बल दिया गया है।

संगठन की गतिविधियां ठप

सूत्रों के मुताबिक, बस्तर, सरगुजा व दुर्ग संभाग के दौरे के बाद यह पाया गया कि ज्यादातर जिलों में कामकाज संतोषजनक नहीं है। संगठन की गतिविधियां ठप पड़ी हुई हैं। इस पर राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) शिवप्रकाश ने चिंता जताई थी। इन सबके चलते पार्टी हाईकमान बैठक बुलाने को मजबूर हो गया है। चर्चा है कि बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर रोड मैप तैयार किया जा सकता है। संगठन में आमूलचूल परिवर्तन पर भी मंत्रणा की जा सकती है। यही नहीं, कुछ बड़े नेताओं के कार्यक्रम भी तय किए जा सकते हैं। विशेषकर बस्तर और सरगुजा संभाग पर फोकस किया जाएगा।

सीएम बघेल ने भी समय-समय पर कसा तंज

मिली जानकारी के मुताबिक गुटबाजी की वजह से संगठन में एकता नहीं है। कई गुटों में नेता बंटे हुए हैं। कोई भी बड़े आयोजनों में नेताओं का नहीं आना भी सुर्खियों में रहता है। राजधानी रायपुर से लेकर दुर्ग, बस्तर, बिलासपुर व सरगुजा तक कई गुटों में नेता बंटे हुए हैं। मुख्य विपक्षी पार्टी व सीएम भूपेश बघेल भी समय-समय पर इस पर तंज कसते रहे हैं। सीएम भूपेश बघेल तो कई बार यहां तक कह चुके हैं कि भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व को प्रदेश संगठन पर भरोसा नहीं है। राष्ट्रीय नेतृत्व यहां के भाजपा नेताओं से किनारा करने लगे हैं। प्रदेश प्रभारी भी स्थानीय नेताओं को तवज्जों नहीं देती।

भिलाई में अचानक पहुंचे थे संगठन मंत्री, गुटबाजी को लेकर फूटा कार्यकर्ताओं का गुस्सा

सोमवार को प्रदेश भाजपा संगठन के मंत्री पवन साय के सामने भिलाई के भाजपा कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। यहां हुडको में भाजपा नेता लक्ष्मन मिश्रा के घर पहुंचे पवन साय के पहुंचने की सूचना के बाद बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उनसे मिलने पहुंच गए। इस दौरान पवन साय के सामने भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपनी नाराजगी दिखाई। इनकी यह नाराजगी यहां पनप रही गुटबाजी के कारण दिखी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सीधे राज्यसभा सांसद सरोज पाण्डेय का नाम लेते हुए उनके ही लोगों को तवज्जों दिए जाने का आरोप लगा दिया।

बता दें भाजपा संगठन में बीते कुछ वर्षों से राज्यसभा सांसद सरोज पाण्डेय के समथकों का वर्चस्व दिख रहा है। संगठन की सभी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां इन्हें मिल रही हैं। दो दिन पहले मंडल प्रभारियों व सह प्रभारियों की नियुक्ति में भी भी यह देखा गया कि केवल और केवल सांसद सरोज पाण्डेय के समर्थकों को ही जिम्मेदारियां दी गई। इसमें न तो पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पाण्डेय के समर्थक दिखे और न ही सांसद विजय बघेल के समर्थकों को तवज्जो दी गई। पहले से नाराज भाजपा कार्यकर्ताओं की नाराजगी मंडल प्रभारियों की सूची जारी होने के बाद और बढ़ गई।

भिलाई में कमजोर हो रहा संगठन

कार्यकर्ताओं ने पवन सहाय के सामने गुटबाजी को लेकर कई बातें रखी। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि भिलाई में लगातार भाजपा संगठन कमजोर हो रहा है। इसके पीछे गुटबाजी बड़ा कारण है। यहां तीन नेताओं के अपने-अपने समर्थक बन गए हैं। एक नेता के पास जाओ तो दूसरा नेता नाराज हो जाता हैं। दूसरे के पास जाओ तो तीसरा नेता नाराज हो जाता है। इस तरह भाजपा यहां तीन अलग-अलग गुटों में काम कर रही है जिसके कारण लगातार पार्टी को नुकसान हो रहा है।

संगठन कम और समितियां ज्यादा

संगठन मंत्री पवन सिंह ने कार्यकर्ताओं से एकजुट रहने की बात कही लेकिन कार्यकर्ताओं ने उन्हें बताया कि यहां भाजपा संगठन कम और समितियों में ज्यादा बढ़ गई है। सभी अपने-अपने समितियां बनाकर चल रहे हैं। जो थोड़े बहुत बच गए हैं उनके लिए करने को कुछ नहीं रह गया है। बीते नगर निगम चुनाव के दौरान भी गुटबाजी के कारण भारतीय जनता पार्टी को बहुत नुकसान उठाना पड़ा था। आने वाले विधानसभा व लोकसभा चुनाव में भी गुटबाजी का असर देखने को मिल सकता है।

एक गुट को दी जा रही है तवज्जो

कार्यकर्ताओं ने पवन साय के सामने एक गुट विशेष को तवज्जो दिए जाने का आरोप भी लगाया है। उन्होंने एक कद्दावर नेत्री की ओर इशारा करते हुए कार्यकर्ताओं ने कहा कि यहां सभी प्रमुख पदों पर एक गुट का राज है। जिसके कारण बाकी कार्यकर्ताओं में नाराजगी पनप रही है। इसे लेकर यदि जल्द ही कुछ नहीं किया गया तो धीरे-धीरे भाजपा संगठन पूरी तरह से बिखर जाएगा। कार्यकर्ताओं ने इशारों इशारों में गुट विशेष का जिक्र भी किया जिसके कारण भिलाई में भाजपा की स्थिति लगातार कमजोर हो रही है।

खैरागढ़ को छत्तीसगढ़ राज्य की कलाधानी के रूप में करेंगे विकसितः सीएम बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तीन दिवसीय खैरागढ़ महोत्सव का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने 6 करोड़ 51 लाख रूपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया तथा चिटफंड कंपनी के धोखाधड़ी के शिकार हुए राजनांदगांव जिले 17127 निवेशकों को एक करोड़ 57 लाख रूपए की राशि वापस लौटाई। मुख्यमंत्री बघेल ने राजनांदगांव जिले में 14 करोड़ 74 लाख रूपए की लागत से स्थापित 9 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री बघेल ने खैरागढ़ इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के संस्थापक खैरागढ़ के राजा वीरेन्द्र बहादुर सिंह और रानी पद्मावती देवी तथा राजकुमारी इंदिरा को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि संगीत के प्रति एक समर्पित भावना के साथ वर्ष 1956 में स्थापित इस विश्वविद्यालय ने देश-दुनिया में अपनी विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले के निर्माण एवं खैरागढ़ महोत्सव के लिए सभी को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि खैरागढ़ जिला निर्माण प्रक्रिया शुरू हो गई है और यहां पर ओएसडी की नियुक्ति भी कर दी गई है। साल्हेवारा को पूर्ण तहसील एवं जालबांधा को उप तहसील बनाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की गौरवशाली ऐतिहासिक संस्कृति, लोक संस्कृति एवं कला एवं संगीत को बढ़ाने की जरूरत है। नवगठित खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले को समृद्ध जिला और छत्तीसगढ़ राज्य की कलाधानी के रूप में विकसित करना है। उन्होंने कहा कि बस्तर, सरगुजा, रायगढ़ एवं रायपुर में कला एवं संगीत का अध्ययन केन्द्र एवं शाखा होनी चाहिए। उन्होंने इसके लिए बजट में प्रावधान की बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य प्राचीन काल से समृद्ध राज्य के रूप में विख्यात रहा है एवं व्यापारिक रूप से समृद्ध रहा है। राज्य की प्राचीन संस्कृति सभ्यता और कला को विश्व मंच पर स्थापित करने और सहेजने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य की ऐतिहासिक और पौराणिक विशेषता भी रही है। यहां राम वन गमन पथ के माध्यम से इन विशेषता को सहेजना का कार्य किया जा रहा है। जिससे राज्य की पहचान विश्व के मानचित्र में स्थापित हो सके। मुख्यमंत्री ने देर तक रूक कर सुप्रसिद्ध प्लेबैक सिंगर श्रीमती कविता कृष्णमूर्ति के गीतों का आनंद लिया।

सीएम भूपेश से किसान नेता राकेश टिकैत करेंगे मुलाकात नवा रायपुर में चल रहे किसानों के आंदोलन पर होगी बात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में 115 दिनों से जारी किसान आंदोलन के मुद्दों पर राकेश टिकैत की आज सीएम भूपेश बघेल से मुलाकात हो सकती है। बुधवार को किसानों के प्रतिनिधिमंडल के साथ कैबिनेट सब कमेटी की बैठक हुई थी, जिस पर कोई नतीजा नहीं निकल सका था। चर्चा के दौरान कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने सीएम से मुलाकात की बात कही है। इस मुलाकात के बाद किसान आंदोलन को लेकर कोई बड़ा फैसला भी आ सकता है। वहीं किसानों ने भी कह दिया है कि अगर मांगें नहीं मानी गई तो लड़ाई का रास्ता खुला हुआ है।

बता दें नवा रायपुर के 27 गांवों के किसान 115 दिनों से अपनी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। एनआरडीए परिसर से जिला प्रशासन द्वारा हटाए जाने के बाद किसानों ने नवा रायपुर के कयाबांधा स्थित आम बगीचा को नया आंदोलन स्थल बनाया है। राकेश टिकैत ने किसानों के महापंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि यहां की सरकार किसानों को समर्थन मूल्य तो दे रही है, लेकिन जमीन की सही कीमत नहीं दे रही है। हम किसी पार्टी के खिलाफ नहीं है। हम किसान विरोधी पॉलिसी बनाने वालों के खिलाफ हैं। किसानों की मांग जायज है। उन्होंने कहा कि किसानों के आंदोलन को बलपूर्वक नहीं हटाया जा सकता। ताकत से नहीं बल्कि बातचीत से समस्या का समाधान होगा।

मांगें पूरी होने तक जारी रहेगा आंदोलन

नवा रायपुर स्थित महानदी भवन में बैठक में राष्ट्रीय किसान नेता राकेश टिकैत की मौजूदगी में किसानों के प्रतिनिधि मंडल से शासन-प्रशासन की चर्चा हुई थी। बैठक में कृषि मंत्री रविंद्र चौबे, कलेक्टर सौरभ कुमार और एनआरडीए सीईओ अय्याज तंबोली समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। टिकैत ने कहा कि किसानों की मांगें नहीं मानी गई तो लड़ाई का रास्ता खुला है। सीएम से मुलाकात के बाद किसान आंदोलन के आगे की रणनीति तय की जाएगी। वहीं किसान नेता रूपन चंद्राकर ने कहा कि किसान अपना हक लेकर रहेंगे। मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

मुरमुंदा में संगठन के कार्यालय का उद्घाटन

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत, महासचिव युद्धवीर सिंह ने दुर्ग जिले के मुरमुंदा में भारतीय किसान यूनियन (अ) के कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने संगठन का विस्तार करने की बात कही। राकेश टिकैत के अहिवारा क्षेत्र के मुरमुंदा आने की सूचना पर भारी संख्या में किसान पहुंच गए थे। मुरमुंदा में टिकैत ने किसानों से खेती-किसानी को लेकर भी बात की। टिकैत ने लोगों को बताया कि वे नवा रायपुर के किसान आंदोलन में शामिल होने आए हैं और दो दिन छत्तीसगढ़ में रहेंगे। टिकैत के अहिवारा विधानसभा क्षेत्र में आने से राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है।

संपादकीय

भारत की अपनी बात

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की दृढ़ता सबका ध्यान खींचने लगी है। भारत इन दिनों जिस भाषा या भाव में बात कर रहा है, उसे वास्तव में ऐसा ही करना चाहिए। एक स्थिर लोकतंत्र, विशाल आबादी और खुले बाजार वाले भारत को जो लाभ मिलने चाहिए, वे अभी तक नहीं मिले हैं। विदेश मंत्री की दृढ़ता न केवल लाभ दिला सकती है, बल्कि भारत की रक्षा पंक्ति को भी मजबूत कर सकती है। दरअसल, भारत की विदेश नीति वही है, जो पहले थी, लेकिन अब परिस्थितियां बदल गई हैं और पश्चिम के देश कमजोर जमीन पर खड़े हैं। कुछ देशों का पक्षपात भारत ही नहीं, पूरी दुनिया झेलती आ रही थी, लेकिन अब ऐसे पक्षपाती देशों की नीतियां औंधे मुंह ढहने लगी हैं। ऐसे पक्षपाती देशों की नसीहत पहले हम सुन लेते थे, लेकिन अब कोई जरूरत नहीं है कि उनके कुतर्कों को सुना जाए या ऐसी नसीहतों को सुना जाए, जिस पर स्वयं पश्चिम के देश नहीं चल रहे हैं। विदेश मंत्री ने उचित ही कहा है कि भारत अपनी शर्तों पर दुनिया से रिश्ते निभाएगा और इसमें उसे किसी की सलाह की जरूरत नहीं है।

> जो देश सैन्य ताकत पर भरोसा करते हैं, वे भी भारत या एशिया के देशों को परस्पर वार्ता से विवाद सुलझाने की नसीहत देते हैं, जबकि परोक्ष रूप से विवादों की ओर से आंख मूंदकर सबके लिए समस्याएं बढ़ाते हैं। अब बदले हुए हालात में पश्चिमी देशों को भारत की जायज चिंताओं पर गौर करना ही होगा और इसकी शुरुआत शायद हो चुकी है।

रायसीना डायलॉग में उन्होंने बहुत गहरी बात कही है कि वे कौन हैं समझकर दुनिया को खुश रखने की जगह, हमें इस आधार पर दुनिया से रिश्ते बनाने चाहिए कि हम कौन हैं! दुनिया हमारे बारे में बताए और हम दुनिया से मंजूरी लें, वह दौर खत्म हो चुका है। लगे हाथ उन्होंने यह भी कह दिया कि अगले 25 वर्षों में भारत वैश्वीकरण का केंद्र होगा। यह संकल्प वाजिब है, लेकिन इसे साकार करने के लिए बुनियादी रूप से हमें मजबूत होना पड़ेगा। अर्थव्यवस्था की ज्यादा चिंता करना जरूरी है। जब हमारे यहां पर्याप्त निवेश होगा, भरपूर रोजगार होगा, तो अपने आप हमारे सकल घरेलू उत्पाद में बढ़ोतरी होगी। वैसे ऐसे सपने अनेक नेताओं ने पहले भी भारतवासियों को दिखाए हैं, लेकिन वास्तव में भारत अपने यहां आतंकवाद, अशिक्षा और गरीबी जैसी समस्या का मुकम्मल समाधान नहीं कर पा रहा है। दुनिया में भारत को एक सशक्त देश के रूप में देखा जाए, इसके लिए आत्मनिर्भरता भी बहुत जरूरी है। आत्मनिर्भरता ही हमें वैश्वीकरण के केंद्र में लाएगी। अत: विदेश मंत्री की सोच की दिशा बिल्कुल सही है, वह व्यापकता में सोच रहे हैं कि किस चीज में हम विफल रहे हैं? अपनी विफलताओं का वाजिब अध्ययन ही हमें विकास की ओर तेजी से ले जाएगा।

इन दिनों यूरोपीय देश आए दिन भारत को सलाह दे रहे हैं कि वह रूस के साथ और व्यापार न करे। नए भारत के विदेश मंत्री अब बार-बार यह इशारा कर रहे हैं कि भारत को किसी से सलाह लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने चीन का नाम लिए बगैर बिल्कुल सही सवाल उठाया है कि यूरोप उस वक्त असंवेदनशील क्यों हो गया था, जब एक देश एशिया को धमका रहा था? वास्तव में, यह यूरोप के लिए जागने का समय है कि वह एशिया की ओर देखे। एशिया में भी अस्थिर सीमाएं और आतंकवाद जैसी समस्याएं खतरा बनी हुई हैं। पश्चिमी देश एशियाई देशों को केवल सलाह देकर काम चलाते आए हैं। जो देश सैन्य ताकत पर भरोसा करते हैं, वे भी भारत या एशिया के देशों को परस्पर वार्ता से विवाद सुलझाने की नसीहत देते हैं, जबकि परोक्ष रूप से विवादों की ओर से आंख मूंदकर सबके लिए समस्याएं बढ़ाते हैं। अब बदले हुए हालात में पश्चिमी देशों को भारत की जायज चिंताओं पर गौर करना ही होगा और इसकी शुरुआत शायद हो चुकी है।

अब कठघरे में अमेरिका है

असल सवाल अमेरिका के रुख पर है। अमेरिका दुनिया में अपना नैतिक बल लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की वकालत करते हुए हासिल करता है। तो जुलियन असांज के मामले में वे मूल्य लागू करने से वह क्यों इनकार करता रहा है? आखिर असांज ने जो किया, वह पत्रकारिता ही है। ब्रिटेन की एक अदालत ने बीते हफ्ते जूलियान असांज को अमेरिका भेजन के लिए हरी झंडी दे दी। इस तरह अब अंतिम फैसला ब्रिटिश सरकार को लेना है। ब्रिटिश सरकार के रुख को देखते हुए यह नहीं लगता कि वह असांज के समर्थन में खड़ी होगी। बहरहाल, उसने अगर प्रतिकूल फैसला किया, तो उसके बाद भी असांज के पास उसके बाद भी अपील के कई रास्ते उपलब्ध होंगे। लेकिन असल सवाल अमेरिका के रुख पर है। अमेरिका दुनिया में अपना नैतिक बल लोकतंत्र, मानव अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की वकालत करते हुए हासिल करता है। प्रश्न यह है कि जुलियन असांज के मामले में वे मूल्य लागू करने से वह क्यों इनकार करता रहा है? आखिर असांज ने जो किया, वह पत्रकारिता की परिभाषा के तहत ही आता है। कहीं भी पत्रकार अगर किसी रहस्य से परदा हटाता है, तो उससे किसी ना किसी ताकतवर व्यक्ति या संस्था या देश के लिए असहज स्थिति बनती है। असांज ने जो खुलासे किए, उससे बहुत से दूसरे देशों के साथ-साथ अमेरिका के लिए भी असहज स्थिति बनी। लेकिन ऐसे हाल में किसी लोकतंत्र समर्थक का क्या कर्तव्य होगा? क्या उसे पत्रकार के सच सामने लाने के अधिकार के समर्थन में खड़ा नहीं होना चाहिए? अमेरिका ऐसा ना करके क्या यह संकेत नहीं देता है कि स्वतंत्रता की उसकी वकालत एक पाखंड है? अमेरिका ने लगातार असांज के प्रत्यर्पण की मांग की है, ताकि वह उन पर जासूसी के आरोपों के तहत 17 मामलों और कंप्यूटर के दुरुपयोग के आरोप के तहत एक मामले में मुकदमा चला सके। अमेरिका का कहना है कि असांज ने ने गैरकानूनी तरह से गोपनीय कूटनीतिक केबल और सैन्य फाइलें चुराने में अमेरिकी सेना के इंटेलिजेंस ऐनालिस्ट चेल्सी मैनिंग की मदद की।

> **समान नागरिक संहिता के दबाव को आदिवासी भारत भी स्वीकार नहीं करेगा। 10 करोड़ से ज्यादा आदिवासी भारतीय स्त्री-पुरुष हिंदू, मुस्लिम, ईसाई आदि विवाह कानूनों से परे स्थानीय विधि और रीति-रिवाजों के साथ परिवार व्यवस्था स्वीकारते हैं। विवाह संबंधी इनके विवादों को स्थानीय आदिवासी जमात सुलझाती है। लिहाजा, समान नागरिक संहिता को लागू करने के आवेश में केंद्र सरकार अनायास आदिवासियों के साथ भी एक मोर्चा खोल लेगी।**

समान नागरिक संहिता की असमान राह

आनंद कुमार, समाजशास्त्री

भारत में राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रीय एकता के लिए समान नागरिक संहिता की जरूरत बताई जाती है। मगर किसी भी समाज के रीति-रिवाजों को बदलने के लिए सत्ता-प्रतिष्ठान की अपनी साख मजबूत होनी चाहिए, क्योंकि विवाह की व्यवस्था समाज की जिम्मेदारी रही है और इसमें सत्ता-प्रतिष्ठान का दखल संदेह पैदा करता है। भारत भी अपवाद नहीं है। भारतीय संविधान में अनुच्छेद 25 से 28 तक जो धार्मिक स्वतंत्रता का आश्वासन मिला हुआ है, वह अनुच्छेद 45 में निर्देशित समान नागारिक कानून व्यवस्था के निर्माण की जिम्मेदारी से टकराता है। यहां हमें यह भी याद रखना चाहिए कि 1954 में जब हिंदू सामाजिक कानूनों में सुधार के लिए जवाहरलाल नेहरू के समर्थन से कानून मंत्री बाबा साहब आंबेडकर ने प्रस्ताव रखा, तो कट्टरपंथी हिंदुओं जैसा असंतोष खुद कांग्रेस में फैल गया। फिर, 1956 में इस प्रयास को चार टुकड़ों में बांटकर पेश किया गया और हिंदू विवाह व संपत्ति में हिस्सेदारी आदि सवालों का कुछ समाधान निकल सका। देखा जाए, तो इस तरह के बदलावों के लिए विदेशी शासन ज्यादा सक्षम रहे हैं। इसीलिए, 1856 में विधवा विवाह की अनुमति मिल सकी और 1928 में हिंदू त्रस्यों को पति की संपत्ति में हिस्सेदारी संबंधी कानून बन सके। ब्रिटिश शासन के दौरान ही 1937 में शरिया कानून लागू किया गया।

हमें यह भी मालूम होना चाहिए कि भारत का गोवा ऐसा प्रदेश है, जहां समान नागरिक संहिता पुर्तगाली राज के समय से ही लागू है। गोवा भारत के अन्य राज्यों की तरह बहुधर्मी है, लेकिन वहां के हिंदुओं, मुसलमानों, ईसाइयों, सिखों आदि में समान नागरिक संहिता को लेकर कोई विवाद नहीं है। तो क्या पूरे भारत को गोवा के रास्ते पर चलकर समान नागरिक संहिता लागू कर देनी चाहिए? इसके बरक्स यह याद दिलाया जाता है कि भारत में 1954 से ही विशेष विवाह कानून (स्पेशल मैरिज ऐक्ट) उपलब्ध है, जिसके तहत बिना धार्मिक परंपराओं और बंधनों के दो वयस्क स्त्री-पुरुष विवाह कर सकते हैं। और ऐसे विवाहों को सरकार की मान्यता भी हासिल है।

असल में, मुसलमानों के विवाह कानूनों को लेकर हमारे देश में 1937 से ही विवाद रहे हैं। पुरुष प्रधान व्यवस्था को इसका दोषी माना गया है। पति द्वारा तत्काल तलाक देने की व्यवस्था के कारण पत्नी पूरी जिंदगी आतंक और अनिश्चय में जीने को विवश होती है। तलाक नहीं देने पर भी पति एक पत्नी के रहते हुए और शादियों का धर्मसम्मत अधिकार रखता है। तलाकशुदा स्त्री को गुजारा भत्ता देना एक मानवीय जिम्मेदारी कही जा सकती है, लेकिन शरिया कानून में इसे स्पष्ट शब्दों में मना किया गया है।

इस पुरुष प्रधान विवाह व्यवस्था पर विशेष ध्यान आजादी के बाद सन 1985 में

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा शाह बानो नाम की 72 वर्षीय महिला की फरियाद पर दिए गए फैसले के बाद गया। शाह बानो को उनके वकील पति ने विवाह के पांच दशक बाद बिना गुजारा भत्ता के संबंध तोड़ने का फरमान सुना दिया था। शाह बानो को अदालत से राहत तो मिली, लेकिन तब की प्रगतिशील आवाजें हकलाने लगीं, क्योंकि कट्टरपंथी तबके इस फैसले को इस्लाम के वजूद पर खतरा बताने लगे थे। तत्कालीन राजीव गांधी सरकार में इतना आत्मबल नहीं था कि वह सर्वोच्च न्यायालय के साथ खड़ी रह सके। तब से समान नागरिक संहिता का मुद्दा मुस्लिम विवाह व्यवस्था में स्त्री हितों की रक्षा का पर्याय बन गया है।

समाज के वयस्क सदस्यों के बीच यौन संबंध और परिवार-व्यवस्था के लिए विवाह नामक संस्था की बड़ी भूमिका है। इसीलिए यह व्यवस्था देश, काल और पात्रों के अनुसार विविधातपूर्ण है। भारतीय समाज अलग-अलग जातियों, धर्मों, क्षेत्रों और वर्गों में बंटा हुआ है, और इन विविधताओं से जुड़ी विशिष्टताएं विवाह की संस्था और इससे जुड़े रस्म-ओ-रिवाज में स्पष्ट दिखती हैं। विवाह की संस्था पुरुष प्रधानता और स्त्री प्रधानता के बीच बनती-बदलती आई है। अंग्रेजी राज के दौरान इसका एक ढांचे में बने रहने से यही संदेश गया था कि यह आदिवासियों और विभिन्न जातियों के विवाह नियमों की उपेक्षा करके ब्राह्मण उन्मुख व्यवस्था की स्थापना है। अभी भी हिंदू विवाह व्यवस्था में क्षेत्र और जाति के अनुसार विविधताएं बनी हुई हैं। यह भी याद रखना चाहिए कि जब बाल विवाह व सती प्रथा जैसी भयानक परंपराओं को खत्म करने का प्रयास किया गया, तब सहमति से ज्यादा विरोध के स्वर गूंजे थे। लोकमान्य तिलक जैसे नायकों की नजर में भी विदेशी राज को भारतीय समाज में सुधार का कोई अधिकार नहीं था। इस इतिहास को याद रखते हुए ही हमें मुस्लिम समाज में मौजूद विवाह नामक व्यवस्था के बारे में सोचना चाहिए।

दिक्कत यह है कि मौजूदा भाजपा सरकार की धर्म संबंधी छवि जगजाहिर है। इसके कारण समान नागरिक संहिता को शायद ही समाज की जरूरत से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में, यह सोचना होगा कि क्या अपनी खराब साख के बावजूद सरकार को मुसलमानों को निशाने पर रखते हुए समान नागरिक संहिता के लिए संसद को एक मंच बनाना चाहिए? धर्म की रक्षा के नाम पर ज्यादातर लोग प्राय: भावनाओं में बह जाते हैं। इसलिए एक तरफ गांवों और कस्बों के नुक्कड़ पर 'इस्लाम खतरे में है' के नारे के साथ लोगों के जुटने, तो दूसरी तरफ 'एक देश, एक कानून' का विरोध करने वालों को पाकिस्तान भेजने की सलाह देने वाले हुड़दंगियों के भड़कने की आशंका होगी। वैसे यह तो साफ हो चुका है कि शिक्षा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विस्तार से मुस्लिम स्त्री-पुरुष भी देर-सवेर विवाह संबंधी कानूनों की अनिवार्यता स्वीकार लेंगे। इसीलिए इस सवाल पर सत्ता की तरफ से शक्ति प्रदर्शन करना राष्ट्र-निर्माण के लिए सही रास्ता नहीं होगा। समान नागरिक संहिता के दबाव को आदिवासी भारत भी स्वीकार नहीं करेगा। 10 करोड़ से ज्यादा आदिवासी भारतीय स्त्री-पुरुष हिंदू, मुस्लिम, ईसाई आदि विवाह कानूनों से परे स्थानीय विधि और रीति-रिवाजों के साथ परिवार व्यवस्था स्वीकारते हैं। विवाह संबंधी इनके विवादों को स्थानीय आदिवासी जमात सुलझाती है। लिहाजा, समान नागरिक संहिता को लागू करने के आवेश में केंद्र सरकार अनायास आदिवासियों के साथ भी एक मोर्चा खोल लेगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अमन-चैन: किसकी कितनी जिम्मेदारी?

ओ पी एस मलिक

पिछले दिनों एक जिले के एसएसपी को निलंबित कर दिया गया और इसका कारण यह बताया गया कि उस जिले में अपराध नियंत्रण नहीं हो पा रहा था। हालांकि, बहुत चर्चा थी कि इसके क्या कारण हैं। शासन ने जो कारण गिनाए हैं, उसकी अगर हम बात करें, तो कुछ सवाल पैदा होते हैं? क्या पुलिस अकेले अपराध नियंत्रण कर सकती है? हम कारणों में नहीं जा रहे हैं कि कौन निलंबित हुआ, सवाल यह है कि क्या पुलिस अपराध नियंत्रण कर सकती है? क्या वह अकेले शांति व्यवस्था या अपराध नियंत्रण के लिए जिम्मेदार है?

कोई भी अपराध होना या किसी जगह शांति नहीं होना दुखद घटना है, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसी घटनाएं होती रही हैं। पुलिस इसमें कहां तक जिम्मेदार है? मैं यह नहीं कह रहा कि पुलिस जिम्मेदार नहीं है। पुलिस अपराध नियंत्रण के लिए जिम्मेदार है और इसी के लिए बनाई गई है, लेकिन क्या यह काम वह अकेले कर सकती है? आज प्रशासनिक दृष्टि से समग्रता में यह विचार हमें करना होगा।

पुलिस में कमियां हैं। कुछ कमियां उसकी खुद की हैं, तो कुछ कमियां व्यवस्था की हैं। यदि हम आदर्श स्थिति की कल्पना करें, पूरी तरह से दक्ष या ईमानदार पुलिस व्यवस्था भी दें, तो क्या अपराध नियंत्रित या शून्य हो जाएगा? जब हम गहराई से पड़ताल करते हैं, तो पाते हैं कि ऐसा संभव नहीं है। अपराध नियंत्रण और अमन-चैन कायम रखने के लिए एक पूरी व्यवस्था है, इस व्यवस्था को हम दो भागों में बांट सकते हैं। एक औपचारिक व्यवस्था है, दूसरी अनौपचारिक व्यवस्था है।

न्याय प्रणाली के पांच अंग

अपराध नियंत्रण की औपचारिक व्यवस्था को हम कहते हैं अपराध न्याय प्रणाली। पूरे विश्व के सभी देशों में इस प्रणाली की कल्पना या स्थापना की गई है। इसमें पांच अंग होते हैं, लेकिन सबसे बड़ी बात है कि सब अंग मिलकर काम करें। सबका मकसद अपराध नियंत्रण है, लेकिन सबको अलग-अलग भूमिका दी गई है। पहला अंग है विधायिका। कानून हालात के हिसाब से बनाए जाते हैं। जैसे-जैसे चुनौतियां पेश होती हैं, कानून बनते चले जाते हैं। बहुत सारे ऐसे कानूनों को रद्द भी किया गया है, जो समय के साथ बेकार या अनुपयोगी हो गए थे। कानून बदलते रहते हैं, विधायिका कानून बनाती है, जिसे बाकी चार अंग लागू करते हैं।

केंद्र और राज्यों में भी विधायिका है। विधायिका द्वारा कानून जब बन जाता है, तब उसे लागू करने की प्राथमिक जिम्मेदारी पुलिस पर है। किसी भी घटना या दुर्घटना के समय पुलिस सबसे पहले प्रतिक्रिया करती है। पुलिस से संपर्क करने के लिए डायल 100 और 112 भी है। लेकिन किसी भी समाज में न्याय की स्थापना के लिए पुलिस की प्रतिक्रिया जल्दी और सही होनी चाहिए। पुलिस आ गई, तो पूछताछ या तफ्तीश शुरू होती है।

पुलिस का ही एक अंग मजिस्ट्रेसी है। हालांकि, मजिस्ट्रेसी की भूमिका पहले जैसी नहीं रह गई है। अब केवल निरोधात्मक कार्रवाई में ही मजिस्ट्रेसी की भूमिका रह गई है। 1973 से पहले मजिस्ट्रेसी के पास बहुत ताकत थी। न्यायिक शक्ति भी मिली हुई थी, लेकिन जब ज्यूडिशियल और एक्जीक्युटिव पावर का विभाजन हो गया, तो मजिस्ट्रेसी की पावर कम हो गई।

इसके बाद अभियोजन आता है, पहले अभियोजन करने वाले पुलिस के ही अफसर होते थे, लेकिन अब पब्लिक प्रोक्जीक्युटर होते हैं। अभियोजन का महकमा अलग हो गया है। कानून का राज सुनिश्चित करने में सरकारी वकील की भी भूमिका अहम हो जाती है। वह अगर तेजी से न्यायिक प्रक्रिया के तहत अपनी भूमिका निभाए, तो समाज में शांति व्यवस्था को बल मिल सकता है। लेकिन क्या सरकारी वकील अपनी इस भूमिका के प्रति पूरी तरह से सजग होते हैं?

चौथा अंग है न्यायपालिका। यहां साक्ष्य की जरूरत है, इसी आधार पर सुनवाई होती है, फैसले सुनाए जाते हैं। कई बार हम देखते हैं कि अपराधी छूट जाते हैं, क्योंकि साक्ष्य नहीं मिलता है। बार-बार न्यायिक सुधार की बात आती है। अपराध न्याय प्रणाली में सुधार की बात होती है, लेकिन जमीन पर कुछ होता नहीं है।

पांचवां अंग है कारावास या जेल। मूलत: यह सुधारवादी कार्यक्रम है, लेकिन हम जानते हैं कि जेलों में जीवन सुधार का कितना व कैसा काम होता है? कितने अपराधी सुधर पाते हैं? लोगों का यह भी तजुर्बा है कि अपराधी ज्यादा खूंखार या अपराध में ज्यादा कुशल होकर जेल से बाहर आते हैं। कई अपराधी जेल जाने के बाद ज्यादा अपराध के लिए दुष्प्रेरित होते हैं। पता यह चलता है कि जेल जाकर सुधार का कार्यक्रम थम जाता है। जेल से यह उम्मीद की गई थी कि वहां से अपराधी सुधरकर समाज में शामिल होंगे, लेकिन ऐसा हम कर नहीं पाए। आम लोगों तक को यह नहीं पता कि जेल या कारावास वास्तव में सुधार के लिए हैं। लोग इसे सजा या यातना के लिए ज्यादा पहचानते हैं।

तो ये पांच महत्वपूर्ण अंग होते हैं अपराध न्याय प्रणाली के। किसी भी बेहतर व्यवस्था के लिए पांचों अंगों को अपना काम करना है और आपस में मिलकर करना है। जब मैं प्रशिक्षण में था, तब यूपी में, मेरे क्षेत्र में जिला जज बहुत सख्त थे, उन्होंने पांच सजाए मौत सुनाई थी, उनकी बड़ी धाक थी और लोग उनसे बहुत डरते थे। तो न्यायपालिका भी अपराध न्याय व्यवस्था का भाग है, उसका बहुत ज्यादा असर जिले की व्यवस्था पर पड़ता है। दो सजाएं भी तत्काल व सही हो जाती हैं, तो उसी का असर हो जाता है। अपराधियों में भय व्याप्त हो जाता है। लोग संभलकर व्यवहार करने लगते हैं।

सिफारिशों की अनदेखी

कोई भी अपराध हो जाए, दुखद है। उनमें तुलना नहीं करनी चाहिए। पांचों अंग अपना-अपना काम करें और मिलकर काम करें। इस प्रणाली को दुरुस्त करने के लिए मालिमथ समिति बनी थी, सन 2000 के आसपास बनी थी। उसने भी रिपोर्ट दी थी। जैसा कि हमारे यहां होता है, समिति बनती है, रिपोर्ट देती है, उस पर कोई कार्रवाई तो होती नहीं है। कई बार तो एक ही तरह के मामले में फिर समिति बन जाती है और उसकी रिपोर्ट भी फाइलों के हवाले हो जाती है। रिपोर्ट ठीक से लागू नहीं हो पाती है।

यहां अनौपचारिक व्यवस्था की भी चर्चा जरूरी है। समाज के स्वभाव पर भी काफी कुछ निर्भर करता है। भारत में तो तरह-तरह के समाज हैं और उनका स्वभाव भी एक जैसा नहीं है। कानून को कितने लोग मानते हैं? हमारे यहां कानून को मानने की परंपरा पहले से ही नहीं रही है। डर से मानें, तो अलग है। अनुशासन की बात करें, तो यह भी दो प्रकार का होता है। एक अनुशासन आंतरिक, तो दूसरा, बाहर से। अनेक देशों में लोगों में स्वत: अनुशासन की भावना है। हमारे भारत में भी चेतना आई है, लेकिन ज्यादा तादाद ऐसे लोगों की है, जो अगर कोई देख न रहा हो, तो कानून का उल्लंघन कर देते हैं।

परिवार, पाठशाला, परिवेश

इन तीन की चर्चा महत्वपूर्ण है। आपका परिवार कैसा है, इससे भी बहुत फर्क पड़ता है। परिवार क्या सिखा रहा है? कैसे-कैसेकाम करा रहा है? पहले गुरु या शिक्षक तो अभिभावक ही होते हैं। पाठशाला का भी बड़ा महत्व है, शिक्षा कैसी हो रही है।

इसे मैं तीन 'प' कहता हूं, परिवार, पाठशाला और परिवेश। कभी-कभी परिवेश इतना दूषित हो जाता है कि किसी छोटी-सी बात पर ही शांति व्यवस्था भंग हो जाती है। कानून का राज स्थापित करना है, तो पाठशाला, परिवेश और परिवार को देखना और कमियों को सुधारना चाहिए।

एक और फर्क यह पड़ गया है कि धर्म के जो मूल भाव हैं, उन्हें भूलकर लोग लोकप्रिय पहलुओं को ही तवज्जो देते हैं। हमारे मूल दर्शन तो नैतिक मूल्यों से भरे पड़े हैं, लेकिन अब इनकेवास्तविक प्रयोग या व्यवहार में कमी आ रही है, इसका भी अपराध पर असर पड़ता है। अक्सर यह अध्ययन सामने आता है कि बलात्कार के मामलों में 50 प्रतिशत से ज्यादा आरोपी परिवार या जान-पहचान के होते हैं। यह वास्तव में नैतिक पतन ही है, इसे समाज और परिवार को स्वयं भी रोकना होगा। दिल्ली में ही बलात्कार के 90 प्रतिशत आरोपी जान-पहचान वाले होते हैं। अत: अनौपचारिक व्यवस्था हो या औपचारिक, दोनों को अपनी-अपनी भूमिका पर काम करना होगा। पुलिस कई बार दिखाने के लिए काम करने लगती है, जबकि उसे तेजी से कानून-सम्मत काम करने चाहिए।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

जनसमस्या निवारण शिविरः ग्राम पंचायत में 29 एवं जनपद स्तर में 2 मई को पुनः आवेदन लिये जाएंगे

रायगढ़। कलेक्टर भीम सिंह के दिशा-निर्देशन में व्यापक जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन 25 अप्रैल से जिले की सभी पंचायतों और नगरीय निकायों में किया जा रहा है। जारी नवीन शेड्यूल अनुसार ग्राम पंचायत /निकाय स्तर में 29 अप्रैल एवं जनपद/निकाय स्तर में 2 मई को पुनः आवेदन लिये जायेंगे। शिविर में बिजली, पेयजल, नागरिकों के सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, परिवार सहायता, भवन नामांतरण, आवास, कर जमा, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन, नल कनेक्शन सहित अन्य समस्याओं के निराकरण हेतु आवेदन लिये जा रहे है। प्राप्त आवेदनों पर आगामी दिवसों में निराकरण किया जाएगा। 25 व 26 अप्रैल को ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत/निकाय स्तर में आवेदन लिये गये। साथ ही जनपद/निकाय स्तर में 27 अप्रैल व 2 मई को भी आवेदन लिये जायेंगे। इसी तरह ग्राम पंचायत/निकाय स्तर में 29 अप्रैल को कार्यालयीन समय में आवेदन लिये जायेंगे। उक्त आवेदनों की विभागवार छटनी कर संबंधित विभागों को भेजा जाएगा।

विश्व मलेरिया दिवसः एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

रायगढ़। राज्य शासन से प्राप्त निर्देशानुसार सीएमएचओ डॉ.एस.एन.केशरी के मार्गदर्शन में कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सभा कक्ष में 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस के अवसर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. टी.जी.कुलवेदी, जिला मलेरिया अधिकारी ने विकासखण्ड से आये ए.एन.एम. एवं आर.एच.ओ.(पु.)तथा अन्य विभाग के कर्मचारियों को मलेरिया से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गयी एवं मलेरिया कार्यक्रम की रूपरेखा सन् 1953 से लेकर राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम 2004 से अब तक की मलेरिया उन्मूलन में किये गये कार्यों का विवरण बताया गया, जिससे मलेरिया को नियंत्रण किया जा सके। जिले के समस्त विकासखण्डों को विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर बैनर, पोस्टर, एवं अन्य संदेश के माध्यम से निचले स्तर पर प्रचार-प्रसार करते हुए विश्व मलेरिया दिवस मनाने का आग्रह किया गया है।

ई-पॉस मशीन से राशनकार्डधारियों को राशन लेने में न हो कोई परेशानी : अमरजीत भगत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर।खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अमरजीत भगत ने यहां अपने निवास कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय काम-काज की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता में है कि कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए इसलिए राज्य के अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक सुगमता पूर्वक राशन पहुंचाना हमारी जवाबदेही है।

श्री भगत ने बैठक में कहा कि ई-पॉस मशीन लगने के बाद राशनकार्डधारी परिवारों को राशन लेने में आ रही कठिनाईयों का तत्काल समाधान किया जाए। राशन कार्ड धारियों के थम इम्प्रेशन, नॉमिनी तथा सर्वर प्राब्लम के कारण राशन वितरण की शिकायत आ रही थी। उल्लेखनीय है प्रदेश में वर्तमान में लगभग 69 लाख राशन कार्ड प्रचलित और 13 हजार से अधिक शासकीय उचित मूल्य के दुकानों में से 12 हजार 312 दुकानों में ई-पास मशीन लगाए जा चुके है। खाद्य मंत्री श्री भगत ने बैठक में कहा कि ऐसे व्यक्ति जिसके नाम से राशन कार्ड है परन्तु उचित मूल्य दुकान तक आकर राशन लेने में असमर्थ है जैसे- निःशक्तजन, बुजुर्ग, 10 वर्ष से कम उम्र के बालक, गंभीर लाईलाज बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति आदि के लिए कारगर योजना बनाकार राशन उपलब्ध कराया जाए। अधिकारियों ने बताया कि निःशक्तजन एवं ऐसे सदस्य जिसकी आयु 60 वर्ष से अधिक अथवा 10 वर्ष से कम राशनकार्डधारी के लिखित आवेदन पर जिला स्तर पर ही उसी उचित मूल्य दुकान से संलग्न एवं उनके द्वारा प्रस्तावित किसी अन्य हितग्राही को नॉमिनी नियुक्त कर खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। जिला स्तर पर 39 हजार से अधिक नॉमिनी नियुक्त किये जा चुके है तथा राज्य स्तर से 5,439 नॉमिनी नियुक्त किए जा चुके हैं। कुष्ठ रोगी, अथवा गंभीर बीमारी से पीड़ित राशनकार्डधारियों हेतु मितानिन या आगंनबाड़ी कार्यकर्ता को ट्रस्टेड पर्सन नियुक्त कर खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। मंत्री श्री भगत ने कहा कि लोगों को सुगमता पूर्वक राशन उपलब्ध हो सके इसके लिए आवेदन परीक्षण के बाद जल्द से जल्द नॉमिनी और ट्रस्टेड पर्सन का लिस्ट जारी हो।श्री भगत ने बैठक में नवीन ग्राम पंचायतों तथा 500 राशन कार्ड से अधिक संख्या वाले उचित मूल्य के दुकानों को कार्ड संख्या के हिसाब से युक्तियुक्तकरण के तहत नवीन आबंटन करने के भी निर्देश दिए। खाद्य मंत्री श्री भगत ने खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 तथा पिछले वर्षो के लंबित धान निराकरण की स्थिति का समीक्षा करते हुए कस्टम मिलिंग में तेजी लाने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया इस वर्ष राज्य के किसानों से न्यूतम समर्थन मूल्य पर 97.98 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी की गई। मुख्यमंत्री की पहल पर धान खरीदी के साथ ही धान का उठाव तेजी से जारी है।

ग्रीष्म कालीन जूडो कराते प्रशिक्षण शिविर एक मई से

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। नगर के विद्या ज्योति स्कूल प्रांगण, जगदलपुर में 1 मई 2022 से 14 जून 2022 तक स्पेशल ग्रीष्म कालीन जूडो कराते प्रशिक्षण शिविर का आयोजन जिला जूडो संघ ऑफ बस्तर एवं इंटर नेशनल गोसुकु रियो कराते दो एसोशिएशन ब्रांच जगदलपुर द्वारा 45 दिवसीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है।

प्रशिक्षण का समय शाम 5 बजे से 6,30 बजे तक मुख्य कोच अब्दुल मोईन के मार्गदर्शन पर मकसूदां हुसैन अमन चन्देल जतिन यादव के द्वारा छात्र छात्राओं को प्रशिसित कर आत्मरक्षा के गुरु सिखाएंगे। जूडो कोच अब्दुल मोईन ने बताया कि 1 मई से प्रारंभ होने वाला यह प्रशिक्षण शिविर 14 जून 2022 तक चलेगा जगदलपुर नगर के छात्र इस शिविर में हिस्सा लेकर जूडो कराते की बारीकिया सिख आत्मरक्षा में निपुण हो सकते है महिला कोच मकसूदां ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को विपरीत परिस्थितियों के दौरान एकाएक सामने आने वाली विपत्ति से लड़ने और हालात पर काबू पाने की ट्रेनिंग दी जाएगी जूडो कराते जपान की वो कला है छोटी काठी कद के होने के बाजूद अपने से ताकतवर व बलवानों को भी जूडो कराते सीखा हुआ व्यक्ति चुटकियों में धूल चटा देता है प्रशिक्षण के दौरान किक, पंच, उठा, पटक, काता जैसी कलाओ में पारंगत कर छात्रों को आत्मनिर्भर हो सकेंगे।

इसके अलावा शारिरीक और मानसिक अनुशासन भी मजबूत किया जाएगा इक्छुक छात्र प्रशिक्षण स्थल पर पहुँचकर पंजीयन करवा सकते है शिविर का उद्देश्य बच्चों के साथ लगातार बढ़ रहे अपराध को देखते हुए इस शिविर का आयोजन किया गया है।

जनरल गुरबीरपाल सिंह ने किया छत्तीसगढ़ बालिका बटालियन का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह (एवीएसएम व वीएसएम)ने आज परचनपाल स्थित एनसीसी के छत्तीसगढ़ बालिका बटालियन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जगदलपुर के एनसीसी कैडेट्स द्वारा महानिदेशक को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। महानिदेशक महोदय ने एनसीसी कैडेटों का हौसला अफ्जाई करते हुए उन्हें देश सेवा और उन्नति की कार्य में निरंतर होने की आग्रह किया।

इस दौरान कमान अधिकारी कर्नल अजय धवन द्वारा एनसीसी छत्तीसगढ़ बालिका बटालियन की वार्षिक गतिविधियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। एनसीसी महानिदेशक द्वारा इस अवसर पर कार्यालय तथा जवानों की आवासीय व्यवस्था का अवलोकन भी किया। उन्होंने इस अवसर पर कैडेट्स की हौसला अफ्जाई करते हुए निरंतर देश सेवा के कार्य में योगदान की अपील की।

इस दौरान मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के कार्यवाहक अपर महानिदेशक ब्रिगेडियर राजीव गौतम, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय रायपुर के ब्रिगेडियर एके दास (विशिष्ट सेवा मेडल समादेशक), ले0 कर्नल प्रवीण जाखर, एनसीसी नई दिल्ली 9 एवं 10 छ0ग0 (स्वै) कम्पनी एनसीसी के एनसीसी अधिकारियों तथा भारतीय थल सेना से संबंधित सभी पीआई स्टाफ एवं सिविलियन स्टाफ शामिल हुए।

जननी शिशु सुरक्षा योजना के तहत स्वास्थ्य केंद्रों में मेनू अनुसार गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को मिल रहा पोषण आहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। माताओं और बच्चों की सुरक्षा और पोषण को प्राथमिकता देते हुए जिले के स्वास्थ्य केंद्रों में गर्भवती माताओं को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है।

इसी कड़ी में जिले के स्वास्थ्य केंद्रों में जननी शिशु स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को उचित चिकित्सकीय सुविधा एवं पोषण आहार दिए जा रहे हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत शिशुवती माताओं के स्वास्थ्य सुधार के लिए निःशुल्क आहार उपलब्ध कराया जा रहा है जिसमें पोषण तत्वों का ख्याल भी रखा जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रामेश्वर शर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्रों में इस कार्यक्रम के तहत माताओं को प्रतिदिन मेनू चार्ट अनुसार भोजन दिया जा रहा है। नाश्ते में अण्डे, गुड़ के लड्डू आदि एवं भोजन में प्रोटीन के स्त्रोत दाल, चावल, सब्जी, सलाद के साथ अन्य पोषण आहार की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत गर्भवती, शिशुवती माताओं सहित नवजात बच्चों को निःशुल्क उपचार, आवश्यक जांच तथा दवाइयां प्रदान किया जाता है। गर्भवती माताओं को सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य जांच, प्रजनन से लेकर उसके पश्चात आवश्यक देखरेख से सम्बंधित सभी व्यवस्थाएं की जाती हैं। स्वास्थ्य केंद्र में सामान्य डिलीवरी होने पर तीन दिन तथा सीजेरियन डिलीवरी के मामले में सात दिनों तक पोषाहार दिया जाता है।

जन्म से 30 दिनों तक कमजोर नवजात शिशु हेतु निःशुल्क दवाएं एवं जांच की सुविधा भी मुहैया करायी जाती हैं।

प्राकृतिक खेती स्वस्थ एवं सुखी जीवन का आधार- सांसद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत सांसद श्रीमती गोमती साय के मुख्य आतिथ्य में कृषि विज्ञान केन्द्र रायगढ़ परिसर में प्राकृतिक खेती पर आधारित एक दिवसीय किसान मेला एवं कृषि प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांसद श्रीमती साय ने कृषि विज्ञान केन्द्र प्रांगण में उन्नत किसानों द्वारा लगाये गए उत्कृष्ट कृषि उत्पादों की प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कृषकों की प्रशंसा की।

कृषि विज्ञान केन्द्र रायगढ़ परिसर में कृषि विज्ञान केन्द्र रायगढ़, उप-संचालक (आत्मा परियोजना) एवं उद्यानिकी विभाग रायगढ़ के संयुक्त तत्वधान में आयोजित कार्यक्रम में 300 से अधिक किसान उपस्थित रहे। श्रीमती साय ने कृषकों को मार्गदर्शन देते हुए कहा की किसान ही धरती का असली अन्नदाता है एवं उसी के मेहनत से हम सब फल फुल रहे है। देश के प्रधानमंत्री किसानों के हित में अनेक योजनायें ला रहे है जिससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा की किसानों को कृषि विज्ञान केन्द्र में वैज्ञानिकों के द्वारा प्रशिक्षण, प्रयोग एवं अनुसंधान कार्यो के परिणामों के अनुसार ही खेती करनी चाहिये एवं वैज्ञानिक के दिशा-निर्देश में कृषि तकनीकों को अपनाना चाहिए। उन्होंने रायगढ़ के वैज्ञानिकों की तारीफ करते हुए कहा की किसानों की आमदनी बढने में कृषि वैज्ञानिकों की अहम भूमिका है।

सांसद श्रीमती साय ने जिले के 15 विभिन्न कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र रायगढ़ के अधिष्ठाता डॉ.ए.के.सिंह ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख इजी.श्री आर.के.स्वर्णकार ने कृषि विज्ञान केन्द्र रायगढ़ की विभिन्न गतिविधियों एवं उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा की केंद्र के वैज्ञानिकों के प्रयास से विभिन्न किसान संगठन, स्व-सहायता समूह एवं गोठान समितियों को जैविक खेती, प्राकृतिक खेती एवं समन्वित खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन केन्द्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ.के.डी.महंत ने किया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान के समस्त वैज्ञानिक डॉ.मनीषा चौधरी, डॉ.के.के.पैकरा, डॉ.के.डी. महंत, डॉ.एन.सी.बंजारा, डॉ.सी.पी.एस.सोलंकी, डॉ.एन.के.पटेल, इजी. श्री आशुतोष सिंह एवं कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र रायगढ़ के समस्त वैज्ञानिकों द्वारा तकनीकी उद्बोधन दिया गया।

साथ ही कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, मछली पालन विभाग, पशु विभाग एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग तथा आकाशवाणी के अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी एवं प्रगतिशील महिला कृषक श्रीमती उर्मिला सिदार, राज्य स्तरीय पुरुष्कृत कृषक श्री मुकेश चौधरी, दादूराम चंद्रा, सीताराम पटेल ने अपनी सफ्लता की कहानी प्रस्तुत की। उपस्थित कृषक समुदाय को कृषि तकनीक बुलेटिन एवं साहित्य वितरण किया गया। इस कार्यक्रम के सफ्लता में विकास महंत, ज्ञानेंद्र चंद्रा, सुकलाल, उषा बरेठ, सुनैना कुरुवंशी का विशेष योगदान रहा।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल योजना से शिक्षा की बदल रही तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। शासन की स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल योजना से जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्रों से लेकर शहरों तक स्कूलों की तस्वीर बदल रही है। प्रदेश के नौनिहालों को अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा देने की इस योजना से आने वाले वर्षों में बच्चे उन्नति के नये क्षितिज छुएंगे। बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने की दिशा में कारगर कदम उठाये गये हैं और स्कूलों का कायाकल्प किया गया है। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के मार्गदर्शन में इस योजना को मूर्त रूप प्रदान करने के लिए मिशन मोड में कार्य किये गये। किसी एक योजना के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों का जीवन शिक्षा की रोशनी से संवर जायें इसकी यह बानगी है। न जाने कितने अनगढ़ हीरे इस विद्यालय में तराशे जायेंगे जिससे उनकी दुनिया बदलेगी।

शिक्षा के लिए अनुकूल एवं प्रेरक वातावरण का प्रभाव बच्चों पर होता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा की पहल पर प्रेरक उम्दा तस्वीरें एवं ज्ञान-विज्ञान की बातें इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के विद्यार्थियों ने स्कूल की दीवारों पर उकेरे हैं। छत्तीसगढ़ की अनूठी संस्कृति से स्कूल परिसर को सुसज्जित किया गया है। यहां की समृद्धि लायब्रेरी एवं लैब बच्चों में पढ़ाई के प्रति उत्साह भरते हैं। जिले में 9 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल है। जहां बच्चों की पढ़ाई प्रारंभ हो गई है। सर्वेश्वर दास शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यमिक विद्यालय राजनांदगांव, स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यमिक विद्यालय डोंगरगढ़, स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यमिक विद्यालय डोंगरगांव, स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यमिक विद्यालय छुरिया, स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यमिक विद्यालय छुईखदान, स्वर्गीय लालमूरत सिंह खुशरो शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यमिक विद्यालय गंडई, स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यमिक विद्यालय अंबागढ़ चौकी, स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यमिक विद्यालय मोहला, स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यमिक विद्यालय मानपुर में बच्चे अध्ययनरत हैं।

RKMG
COMMUNITY
Chhattisgarh: India
We are looking for 15 franchisees in Chhattisgarh for RKMG Community
RKMG Community is in the following business :
1. Advertising.
2. E-Commerce (Selling Products and Services to Our Customers to Solve their problems).
3. Advance technology driven job portal.
4. India's First Social and Professional Media Platform.
5. Giving Franchisee (Helping Indians to earn regularincome through this Model).
6. It's a franchisee and not MLM
Rs. 5000 + GST Franchisee
Please search RKMG Community on any search engine for your understanding.
Pradeep Kumar
Mob. 7828463843, 9424121355

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

नया MATTRESS
ले जाये 30% 50% लेस
पुराना गद्दा देकर पुराने का
पाये 3000/- से 5000/- तक
हम वारंटी नहीं गारंटी देते है
स्कीम कुछ दिनों के लिए
संजय रुई भंडार
पंडरी मेन रोड, रायपुर
7987081626, 7987918262

खास खबर

किडनी रोगों से पीड़ितों को मिलेगी राहत, 12 और जिला अस्पतालों में शुरू होगी निःशुल्क डायलिसिस सुविधा

रायपुर। प्रदेश के 12 और जिला अस्पतालों में जल्दी ही नि:शुल्क डायलिसिस की सुविधा शुरू की जाएगी। राष्ट्रीय नि:शुल्क डायलिसिस कार्यक्रम 'जीवन धारा' के तहत रायपुर, गरियाबंद, जगदलपुर, जांजगीर, राजनांदगांव, सूरजपुर, कोरिया, कबीरधाम, धमतरी, मुंगेली, बलौदाबाजार और बालोद जिला चिकित्सालय में कुल 54 डायलिसिस मशीनों की स्थापना का काम लगभग पूरा कर लिया गया है। इन अस्पतालों में डायलिसिस की सुविधा शुरू होने से दूरस्थ अंचलों के किडनी रोगियों को भी स्थानीय स्तर पर नि:शुल्क डायलिसिस की सुविधा मिलने लगेगी। अभी प्रदेश के आठ जिलों में यह सुविधा प्रदान की जा रही है।

स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों के अस्पतालों में भी चिकित्सा सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। जशपुर, कांकेर, अंबिकापुर, कोरबा और बीजापुर जैसे सुदूर क्षेत्रों में पहले चरण में नि:शुल्क डायलिसिस सुविधा की शुरूआत के बाद अब दूसरे चरण में गरियाबंद, जगदलपुर, सूरजपुर, कोरिया और कबीरधाम जैसे दूरस्थ जिलों में भी इसे शुरू करने की तैयारी है। किडनी रोगों से ग्रस्त मरीजों को लंबे समय तक बार-बार डायलिसिस कराना पड़ता है। इससे उन पर बड़ा आर्थिक बोझ पड़ता है। स्थानीय स्तर पर ही डायलिसिस की सुविधा मिलने से किडनी रोगों से पीड़ितों को अब दूर नहीं जाना पड़ेगा। इससे मरीजों और उनके परिजनों के श्रम, धन और समय की भी बचत होगी। प्रदेश के 12 और जिला अस्पतालों में डायलिसिस सुविधा के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ के द्वारा रायपुर में दस, गरियाबंद, जगदलपुर, जांजगीर और राजनांदगांव में पांच-पांच, सूरजपुर, कोरिया, कवर्धा और धमतरी में चार-चार, मुंगेली एवं बालोद में तीन-तीन तथा बलौदाबाजार में दो डायलिसिस मशीनें लगाई जा रही हैं। रायपुर, गरियाबंद और जगदलपुर में डायलिसिस यूनिट्स की स्थापना का काम पूर्ण कर लिया गया है। इन तीनों जिला अस्पतालों में बहुत जल्द यह सुविधा शुरू कर ली जाएगी।

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग में होगी आरटीआई की कार्यशाला

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा निजी विश्वविद्यालयों के स्थापना एवं संचालन के लिए छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग का गठन किया गया है। यह आयोग वर्तमान में 15 निजी विश्वविद्यालयों का संचालन कर रहा है। निजी विश्वविद्यालयों में सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत प्राप्त होने वाले प्रकरणों का त्वरित निराकरण होता रहे इसके लिए आयोग कार्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला एवं व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है। इस हेतु समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा समस्त निजी विश्वविद्यालयों को जानकारी प्रदाय के लिए आयोग कार्यालय में 28 अप्रैल,गुरूवार को दोपहर 2 बजे से कार्यशाला व व्याख्यान आयोजित किया गया है। इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में अशोक कुमार अग्रवाल, आईएएस (सेवानिवृत्त) राज्य सूचना आयुक्त, सूचना आयोग कार्यालय उपस्थित होंगे।

देश और प्रदेश के विकास के लिए एकजुटता और आपसी भाईचारा महत्वपूर्णः राज्यपाल सुश्री उइके

बुराई को त्याग कर अच्छाई को अपनाने के लिए प्रेरित करता है रमजान का महीनाः मुख्यमंत्री बघेल

राज्यपाल सुश्री उइके और मुख्यमंत्री बघेल दावते रोजा इफ्तार में शामिल हुए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज यहां राजधानी रायपुर के नेताजी सुभाष स्टेडियम में आयोजित दावते रोजा इफ्तार में शामिल हुए और प्रदेशवासियों की खुशहाली तथा सुख-समृद्धि के लिए दुआ मांगी।

राज्यपाल सुश्री उइके ने दावते रोजा इफ्तार में सभी समुदाय के धर्म गुरूओं को एक साथ आमंत्रित कर आपसी भाईचारा तथा खुशहाली से मनाए जाने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए इसके लिए मुख्यमंत्री श्री बघेल को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि रमजान का महीना बुराई का त्याग करने के लिए प्रेरित करता है और अपनी धार्मिक मान्यता के अनुरूप व्यक्ति को सदाचरण की ओर ले जाता है। उन्होंने दावते रोजा इफ्तार में सभी धर्म गुरूओं के शामिल होने पर उसे गंगा-जमुनी तहजीब का अनुपम उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश के विकास के लिए यह एकजुटता और आपसी भाईचारा महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि रमजान का महीना इबादत का महीना है। इस महीना में लोग रोजा रखकर ईश्वर की आराधना करते हैं। यह एक ऐसा महीना है जो इंसान को बुराई से अच्छाई की ओर चलने के लिए प्रेरित करता है। रोजा खुदा की इबादत का एक ऐसा जरिया है जो रोजेदार को उस दुनिया के साथ-साथ इस दुनिया के लिए भी लायक बनाता है। इस पवित्र महीने में सभी के मन के भाव एक हो जाते हैं, सभी का लक्ष्य एक हो जाता है। सभी एक जैसा तप करते हैं और एक जैसी अनुभूतियों से गुजरते हैं। भावों और अनुभूतियों का एक हो जाना ही आध्यात्म की चरम ऊंचाई है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि रमजान का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि एक दूसरे से सम हुए बिना ईश्वर-अल्लाह के साथ सम नहीं हुआ जा सकता। जहां समता होगी, वहीं पर परस्परता होगी। जहां पर परस्परता होगी वहीं पर एकजुटता होगी। और जहां एकजुटता होगी वहीं पर भाईचारा होगा। इस्लाम की परंपराएं परस्परता और भाईचारे की ओर प्रेरित करती हैं। मिल-जुलकर जीने के साथ-साथ मिल-जुलकर ईश्वर को प्राप्त करना सिखाती हैं। गरीबों, मजलूमों और कमजोर लोगों का हाथ पकड़कर उन्हें भी अपने साथ चलाना सिखाती हैं। आप सभी ने इस पवित्र महीने में रोजा रखकर खुदा की इबादत की है। वह आपकी हर दुआ कबूल करेगा। मैं आप सभी को ईद की अग्रिम शुभकामनाएं और बधाई देता हूं।

इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री अमरजीत भगत, महापौर नगरपालिक निगम रायपुर एजाज ढेबर, संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, विधायकगण सर्वश्री सत्यनारायण शर्मा, मोहन मरकाम, छत्तीसगढ़ राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राजेन्द्र तिवारी, रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष सुभाष धुप्पड़, सभापति प्रमोद दुबे सहित विभिन्न समुदायों के धर्मगुरू बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टीएस सिंहदेव ने ई-पीआरआई परियोजना की प्रगति की समीक्षा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टीएस सिंहदेव ने सिविल लाइन स्थित अपने निवास कार्यालय में ई-पीआरआई परियोजना के अंतर्गत प्रदेश की त्रि-स्तरीय पंचायतीराज संस्थाओं से संबंधित जानकारियों एवं आंकड़ों के डिजिटलाइजेशन कार्य के प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में ई-पीआरआई पोर्टल पर समग्र विकास योजना, मूलभूत, क्षमता विकास, आंतरिक विद्युतीकरण योजना, सांसद आदर्श ग्राम, विधायक आदर्श ग्राम, पिछड़ा वर्ग प्राधिकरण और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से संबंधित जानकारियों का भी डिजिटलाइजेशन करने कहा।

बैठक में ई-पीआरआई परियोजना के तहत विगत जनवरी माह से पायलट के तौर पर शुरू ग्राम सचिवों के वेतन के डिजिटल भुगतान को आने वाले समय में पूरे प्रदेश में लागू करने और पंचायतों की परिसंपत्तियों की जियो-टैगिंग के लिए शीघ्र ही मोबाइल ऐप लॉन्च करने पर भी चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में ई-पीआरआई परियोजना के पायलट के तौर पर पहले चरण में एचआरएमएस, एलएमएस, केएमएस और सर्वेक्षण जैसे चार मॉड्यूल लांच किए गए थे। बैठक में पंचायत संचालनालय के संचालक कार्तिकेय गोयल और प्राइमस पार्टनर्स के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

एचआरएमएस सॉफ्टवेयर द्वारा ग्राम पंचायतों में कार्यरत पंचायत सचिवों के वेतन के ऑनलाइन भुगतान, एलएमएस द्वारा राज्य एवं केंद्र शासन द्वारा जारी पंचायतीराज संस्थाओं से संबंधित लर्निंग वीडियोज की ब्रॉडकॉस्टिंग, केएमएस द्वारा पंचायत संचालनालय द्वारा जारी विभागीय आदेशों, अधिसूचनाओं एवं अधिनियमों से संबंधित दस्तावेजों का संकलन तथा सर्वे मॉड्यूल द्वारा ग्राम पंचायतों में ग्रामसभा के आयोजन के पहले 100 बिंदुओं पर आधारभूत जानकारियों के संकलन के लिए मॉड्यूल विकसित किए गए हैं।

नवा रायपुर नई राजधानी परियोजना के प्रभावित किसानों को मिला है सर्वाधिक मुआवजा

किसानों के पक्ष में शासन ने लिया है उदारतापूर्वक निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर राजधानी परियोजना के प्रभावित किसानों को दिया गया मुआवजा, आजीविका के प्रावधान अपने आप में राज्य में और देश में अलग उदाहरण हैं तथा प्रचलित प्रावधानों से अधिक है। शासन द्वारा पूर्ण संवेदना के साथ किसानों के पक्ष में एवं हित में निर्णय लिये हैं। उक्त बातें कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे ने आज महानदी मंत्रालय भवन में किसान नेता राकेश टिकैत एवं अर्जुन बाल्यान की विशेष मौजूदगी में आयोजित नया रायपुर अटल नगर नई राजधानी परियोजना प्रभावित किसान कल्याण समिति के पदाधिकारी की बैठक में कही। बैठक में प्रवीण शिवकन्ह, युद्ध वीर सिंह, किसान कल्याण समिति के अध्यक्ष रूपन चंद्राकर, सचिव कामता रात्रे, कार्यकारी अध्यक्ष ललित यादव, प्रवक्ता गिरधर पटेल, कोषाध्यक्ष कुलेश बारले, लक्ष्मी नारायण चंद्राकर, आनंद राम साहू, एनआरडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कलेक्टर रायपुर, पुलिस अधीक्षक उपस्थित थे। मंत्री रविन्द्र चौबे ने किसान कल्याण समिति के पदाधिकारी से चर्चा के दौरान कहा कि जिन किसानों ने सहमति से नवा रायपुर हेतु भूमि दी है, ऐसे किसानों को 15000 रूपये प्रति एकड़ प्रति वर्ष तथा 750 रूपये प्रति एकड़ प्रति वर्ष वृद्धि के साथ वार्षिकी राशि वर्ष 2012 से 2031 तक देने का निर्णय लिया गया है। वर्ष 2021 में यह राशि 21000 रूपये प्रति एकड़ के मान से भुगतान किया जा रहा है। अब तक 190 करोड़ रूपये का भुगतान वार्षिकी के रूप में किसानों को दिया गया। यह प्रावधान देश में अपने आप में एक अलग उदाहरण है। आंकलन करेंगे तो 20 वर्षों में प्रति हेक्टर 7.95 लाख रूपये वार्षिकी के रूप में किसान को मिलेंगे। यदि इस राशि को मूल राशि में जोड़ा जाता है तो लगभग चार गुना मुआवजा राशि किसान को प्राप्त हो रही है। आपसी सहमति से जिन किसानों ने भूमि दी उन्हें अन्य स्थानों में भूमि क्रय के लिए स्टाम्प ड्यूटी में छूट दी गई, जो कि भूमि मूल्य के 5 से 8 प्रतिशत होती थी। इसका आशय यह था कि किसान भूमिहीन न हो और उनके आजीविका का साधन बना रहे। इसमें कई किसानों ने इसका लाभ लेते हुए नवा रायपुर के लेयर 2 में एवं उसके बाहर भूमि क्रय की है।

किसानों की आवश्यकता को देखते हुए उनके बाड़ी-ब्यारा को भू-अर्जन से मुक्त रखने का निर्णय लिया गया था तथा 1211 खातेदारों की 70 हेक्टेयर भूमि भू-अर्जन से मुक्त की गई थी। भू-अर्जन तथा आपसी सहमति के सभी किसानों के लिए दुकान, गुमटी, चबूतरा, आदि के आबंटन में 75 प्रतिशत का आरक्षण दिया हुआ है तथा उन्हें लागत मूल्य पर लॉटरी आधार से आबंटन किया जा रहा है।

नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण में आउटसोर्सिंग के माध्यम से समस्त रोजगारों में 60 प्रतिशत रोजगार प्रभावित ग्रामों के व्यक्तियों को दिये जाने का प्रावधान शासन ने किया है। इसके साथ-साथ ही पात्र हितग्राहियों को बी.एस.यू.पी. मकान, आबादी पट्टा वितरण, किया गया है। शेष हितग्राहियों को आवासीय भूमि वितरण की कार्यवाही की जा रही है। बैठक में जानकारी दी गई कि नवा रायपुर बसाने के लिए 2006 के बाद तेजी से निर्णय लिये गये और इसमें भूमि कैसे प्राप्त करे, के संबंध में शासन ने एतिहासिक निर्णय लेते हुए कोर्ट केसेस, भू-अर्जन की तकनीकी प्रक्रिया, इसके पीछे न जाते हुए किसानों से सहमति के आधार पर भूमि क्रय करने की नीति बनाई गई। शासन के पास भू-अर्जन अधिनियम 1894 के अधीन गाईडलाईन मूल्य तथा 30 प्रतिशत अतिरिक्त राशि (सोलेशियम) देकर समस्त भूमि के भू-अर्जन का विकल्प था, किन्तु सहमति के आधार पर भूमि क्रय को महत्व दिया गया।

शासकीय वाहन चालकों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम शुरू

इंस्टीट्यूट ऑफड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च ग्राम तेंदुआ नवा रायपुर में दिया जा रहा प्रशिक्षण

रायपुर। राज्य में सुगम एवं सुरक्षित यातायात तथा वाहन चालन कौशल उन्नयन के लिए आज 27 अप्रैल को शासकीय वाहन चालकों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च में प्रारंभ किया गया। इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च में वाहन चालकों के लिए प्रस्तावित प्रतिदिन 40 प्रशिक्षुओं के बैच के प्रशिक्षण कार्यक्रम 27, 28 और 29 अप्रैल में प्रात: 11 बजे से आरंभ होकर संध्या 4.30 बजे तक आयोजित होंगे। वाहन चालकों को प्रशिक्षण कार्यक्रम में तीन बैच में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

गौरतलब है कि मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने विगत दिवस 11 अप्रैल को राज्य के सड़क सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा के दौरान सुधार की शुरूआत घर से प्रारंभ करने के दिशा-निर्देश दिए थे। इस तारतम्य में छत्तीसगढ़ राज्य मुख्यालय के महानदी भवन, इंद्रावती भवन सहित समस्त शासकीय कार्यालयों में कार्यरत वाहन चालकों को सुगम एवं सुरक्षित यातायात, वाहन चालक कौशन उन्नयन, यातायात के नवीनतम नियमों तथा सड़क सुरक्षा की जानकारी के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित है। इसका आयोजन अंतर्विभागीय लीड एजेंसी (सड़क सुरक्षा), परिवहन विभाग तथा मारूति सुजुकी के तत्वावधान में संचालित इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च ग्राम तेंदुआ, नवा रायपुर द्वारा प्रारंभ किया गया है।

इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से आदर्श प्रतिभागी वाहन चालकों के वाहन चालन कौशल में विस्तार होगा, सड़क हादसों से होने वाली अप्रत्याशित क्षति से भी बचाव हो सकेगा तथा समाज के समक्ष शासकीय वाहन चालक आदर्श प्रस्तुत कर सकेंगे। आज के प्रशिक्षण सत्र में संजय शर्मा, अध्यक्ष-अंतर्विभागीय लीड एजेंसी (सड़क सुरक्षा) द्वारा समस्त वाहन चालकों को यातायात नियमों के अनुपालन सहित सुगम एवं सुरक्षित वाहन चालन, सड़क सुरक्षा के प्रचार-प्रसार सहित संयमित आचरण से समाज के समक्ष आदर्श प्रस्तुत करने की शपथ दिलाई गई।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

सामंथा रूथ प्रभुः आर्थिक तंगी, बीमारी, फिर फिल्मों में सुपरस्टार का रुतबा, रुला देगी संघर्ष की यह कहानी

'ऊ अंटावा' गाने में अपनी अदाओं से सबको दीवाना बनाने वाली सामंथा रूथ प्रभु का आज जन्मदिन हैं। सामंथा का जन्म 28 अप्रैल 1987 को चेन्नई में हुआ था। सामंथा की पॉपुलैरिटी अब साउथ में ही नहीं पूरे देश में है। सुपरस्टार बनने का सामंथा का सफर इतना भी आसान नहीं रहा। सामंथा को फिल्मी दुनिया में आने का शौक था, लेकिन उन्होंने अपने घर के हालात के चलते साउथ इंडस्ट्री में कदम रखा था। आज हम आपको सामंथा के जीवन से जुड़ी ऐसी बातें बताने जा रहे हैं, जो शायद बहुत से लोगों को पता नहीं होगी। तो आइए जानते हैं सामंथा का अब तक का सफर...

500 रुपये से करोड़ों तक का सफर

सामंथा प्रभु अब मनोरंजन जगत की सफल अभिनेत्रियों में से एक हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि सामंथा की पहली कमाई मात्र 500 रुपये थी। दरअसल, सामंथा प्रभु को आठ घंटे एक होलट में होस्टेस बनने के लिए 500 रुपये दिए गए थे। उस समय वह 10वीं या 11वीं क्लास में थी।

आर्थिक तंगी लाई फिल्मों में

सामंथा जब 20 साल की थी तो उन्होंने आर्थिक तंगी के चलते पार्ट टाइम जॉब करना शुरू किया था। इसके बाद उन्होंने तंगी की हालत से बाहर निकलने के लिए मॉडलिंग करना शुरू किया और वहीं उन्हें रवि वर्मन ने स्पॉट किया । रवि वर्मन ने ही सामंथा को फिल्मी दुनिया से परिचित कराया था।

पहली फिल्म से मिली सफलता

सामंथा ने 2010 में रवि वर्मन की फिल्म 'मॉस्को कावेरी' साइन की लेकिन गौतम मेनन द्वारा निर्देशित फिल्म 'ये माया चेसाव' उनकी डेब्यू फिल्म रही। इस फिल्म में उनके अभिनय को काफी सराहा गया और फिल्मफेयर में उन्हें उस साल बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला था। इसके बाद से ही सामंथा को बड़ी फिल्में ऑफर होने लगी। 2013 में उन्हें अपनी अदाकारी के लिए तेलुगू और तमिल दोनों भाषाओं में एक फिल्म के लिए ही फिल्मफेयर मिला था। सामंथा अभी तक तमिल, तेलुगू, मलयालम और हिंदी फिल्म और वेब सीरीज में काम कर चुकी हैं।

इम्युनिटी डिसऑर्डर और डायबिटीज

2012 में सामंथा को इम्युनिटी डिसऑर्डर का सामना करना पड़ा, जिसके वजह से उनके हाथ से कई प्रोजेक्ट्स भी चले गए। इसके बाद उन्होंने ब्रेक लिया और अपने स्वास्थ्य की देखभाल की, फिर दो महीने बाद वह काम पर लौट गईं। वहीं, 2013 में सामंथा को डायबिटीज होने की जानकारी मिली, लेकिन उन्होंने इसे मात दे दी।

बॉलीवुड का भी रहीं हिस्सा

2012 में आई फिल्म 'एक दीवाना था' आपने जरूर देखी होगी, लेकिन इस फिल्म में सामंथा भी थी, इस बात का पता शायद ही होगा। फिल्म में सामंथा का छोटा सा रोल था, लेकिन ऐसे करके अभिनेत्री बॉलीवुड में अपना डेब्यू पहले कर ही चुकी हैं। इसके अलावा सामंथा मनोज बाजपेयी के साथ वेब सीरीज 'फैमली मैन' से अपना ओटीटी डेब्यू किया था। इसमें वह रानी के किरदार में एकदम अलग नजर आई थीं। उनकी परफॉर्मेंस को क्रिटिक्स और दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इसके बाद से ही उनकी पॉपुलैरिटी और भी बढ़ गई।

तलाक के बाद 'ऊ अंटावा' में दिखाया ग्लैमरस अंदाज

सामंथा और नागा चैतन्य ने 2017 में शादी की थी और दोनों ने 2021 में एक दूसरे से अलग होने का एलान कर दिया था। अब दोनों का तलाक हो चुका है। ऐसे में शुरुआती दौर सामंथा के लिए काफी मुश्किल भरा रहा था, लेकिन अब वह फिर से अपने काम पर फोकस करने लगी हैं। आज (28 अप्रैल) उनकी तमिल फिल्म 'काथु वकुला रेंदु काधल' भी रिलीज हुई है। वहीं, 'पुष्पा' फिल्म के गाने 'ऊ अंटावा' से उन्होंने अपना ग्लैमरस अंदाज दिखाया, जो लोगों को काफी पसंद आया। अब सामंथा साउथ ही नहीं पूरे देश में अपनी पहचान बना चुकी हैं।

शाहरुख खान को गुजरात हाईकोर्ट ने दी राहत, फिल्म रईस के प्रमोशन के दौरान हुई थी युवक की मौत

शाहरुख खान को गुजरात हाईकोर्ट ने फिल्म रईस के प्रमोशन के दौरान मची भगदड़ मामले में राहत दी है। साल 2017 में प्रमोशन के दौरान रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मची थी, उसके संबंध में एक्टर के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया था। जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। दरअसल, प्रमोशन कार्यक्रम के दौरान एक शख्स की मौत हो गई थी।

समन रद्द करने की दायर की थी याचिका

जस्टिस निखिल करिएल ने इस मामले में फैसला सुनाया है। उन्होंने अपने फैसले में कहा कि शाहरुख खान की तरफ से किए गए काम को लापरवाही नहीं कहा जा सकता है। इसके बाद उन्होंने शाहरुख की याचिका को स्वीकार कर लिया है। इस याचिका में कोर्ट से जारी समन को रद्द करने की मांग की गई थी।

क्या है पूरा मामला

अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए मुंबई से दिल्ली की यात्रा ट्रेन से कर रहे थे। इसी बीच जैसे ही ट्रेन वड़ोदरा रेलवे स्टेशन पहुंची, शाहरुख को देखने के लिए भारी भीड़ जमा हो गई। इस दौरान एक्टर ने भीड़ के बीच कुछ स्माईली गेंदे और टी-शर्ट फेंकी, जिसके बाद भीड़ ने एक दूसरे से हाथापाई शुरू कर दी और भगदड़ मच गई। इस भगदड़ को संभालने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इसी भगदड़ में एक व्यक्ति के मौत हो गई। भगदड़ को संभालने में एक पुलिसकर्मी भी बेहोश गया था।

केजीएफ-2 बनी तीसरी सबसे कामयाब फिल्म, टाइगर जिंदा है टॉप 5 से बाहर

हिंदी में रिलीज होकर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली चोटी की तीन फिल्मों में हिंदी सिनेमा की लाज अब बस आमिर खान के हाथों ही बची है। इन तीन फिल्मों में अब 'बाहुबली 2' के बाद 'केजीएफ चैप्टर 2' की भी एंट्री हो गई है। रिलीज के 14वें दिन यानी दूसरे बुधवार को अभिनेता यश की इस फिल्म के हिंदी संस्करण ने शानदार कलेक्शन करते हुए बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पांच हिंदी फिल्मों की सूची से सलमान खान की फिल्म 'टाइगर जिंदा' को बाहर कर दिया। यही नहीं, फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' हिंदी ने कमाई के मामले में रणबीर कपूर की फिल्म 'संजू' और आमिर खान की ही एक और फिल्म 'पीके' को भी पीछे छोड़ दिया है।

फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' हिंदी का कलेक्शन भले बॉक्स ऑफिस पर अब दहाई करोड़ के अंकों से नीचे आ गया हो लेकिन इसने अपनी मजबूती फिर भी बनाए रखी है। इस फिल्म की लोकप्रियता का ही नतीजा रहा कि अभिनेता शाहिद कपूर की खूब तारीफें पाने वाली फिल्म 'जर्सी' भी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई। अब इस शुक्रवार को रिलीज हो रही फिल्मों 'हीरोपंती 2' और 'रनवे 34' के सामने भी इस फिल्म के तीसरे शुक्रवार को होने वाले कलेक्शन को पार करने की चुनौती है। अभी तक के जो आसार दिख रहे हैं, उससे यह लग रहा है कि 'हीरोपंती 2' और 'रनवे 34' का पहले शुक्रवार का कलेक्शन भी 'केजीएफ चैप्टर 2' हिंदी के तीसरे शुक्रवार से कम रहने वाला है।

घरेलू कलेक्शन 643.40 करोड़

फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' ने रिलीज के दूसरे बुधवार यानी रिलीज के 14वें दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 12.50 करोड़ रुपये की नेट कमाई की। शुरुआती आंकड़ों के हिसाब से इस कमाई में फिल्म के हिंदी संस्करण का योगदान करीब 6.70 करोड़ रुपये, कन्नड़ में 2.70 करोड़ रुपये, तेलुगू में करीब 70 लाख रुपये, तमिल में 2.40 करोड़ रुपये और मलयालम मे करीब 90 लाख रुपये रहा। फिल्म का नेट कलेक्शन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अब करीब 673.40 करोड़ रुपये हो चुका है।

हो गया 'अवतार' की सीक्वल के टाइटल का एलान, अगले महीने रिलीज होगा टीजर

अवतार' हॉलीवुड की एक ऐसी कहानी जो सामान्य सी होने के बावजूद अपने विजुअल इफेक्ट के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में नया कीर्तिमान बनाने में कामयाब रही थी। नीले रंग के जीवों की इस कहानी ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। करीब एक दशक पहले रिलीज हुई इस फिल्म के सीक्वल के लिए दर्शक बेसब्री से इंतजार में हैं। डायरेक्टर जेम्स कैमरून ने फिलहाल इस फिल्म के सीक्वल को बनाने का एलान तो पहले ही कर दिया था और अब फैंस के लिए एक बड़ी खबर है कि इस फिल्म के सीक्वल का टाइटल भी सामने आ गया है, साथ ही इसका टीजर और ट्रेलर भी विशेष रूप से सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

टीजर रिलीज होने में कुछ दिन बाकी

फिल्म अवतार के सीक्वल के ऑफिशियल टाइटल का खुलासा कर दिया गया है। जेम्स कैमरून के अवतार के सीक्वल को आधिकारिक तौर पर अवतार: दे वे ऑफ वॉटर' कहा जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म का टीजर डॉक्टर स्ट्रेंज की रिलीज के आस-पास ही जारी किया जाएगा। ऐसे में कहा जा सकता है कि अगले महीने की शुरुआत में ही अवतार 2 का टीजर रिलीज जाएगा, क्योंकि 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस' 6 मई,2022 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

रिलीज होगी ओरिजिनल अवतार

खबरें ये भी हैं कि फिल्म अवतार के सीक्वल से पहले 20वीं सेंचुरी स्टूडियो भी पहली अवतार को सिनेमाघरों में दोबारा से रिलीज कर रहा है। यह फिल्म 23 सितंबर, 2022 को रिलीज की जाएगी और दर्शक एक बार फिर से 3डी में अवतार देख सकेंगे।

फिल्म अवतार साल 2009 में रिलीज की गई थी। एक दशक से भी अधिक समय बीतने के बाद अब अवतार के सीक्वल में नया चैप्टर शुरू किया जाएगा। 'अवतार: द वे ऑफ वॉटर' सैम वर्थिंगटन के जेक और जो सलदाना नेटियरी के जीवन के अगले अध्याय का अनुसरण करेगा, क्योंकि वे अब माता-पिता बन गए हैं।

इस दिन रिलीज के लिए तैयार है फिल्म

साल 2009 में अवतार के रिलीज होने के बाद से अब तक के लंबे इंतजार के बाद अब अवतार का सीक्वल भी रिलीज के लिए तैयार है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 'अवतार: द वे ऑफ वॉटर' को 16 दिसंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

ग्राम जोरातराई में नलजल योजना के अंतर्गत रेट्रोफिटिंग का कार्य प्रगति पर

बालोद। जिले के गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम जोरातराई में नलजल योजना के अंतर्गत रेट्रोफिटिंग का कार्य प्रगति पर है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि उन्होंने ग्राम जोरातराई में कार्यों का निरीक्षण किया। ग्राम में उपयोग किए जा रहे पी.व्ही.सी. पाईप सीपेट से परीक्षण किए गए हैं एवं प्रमाणित पाईपों का उपयोग हो रहा है। उन्होंने बताया कि पाईप लाईन की गहराई की जॉच की गई है एवं पाईप डालने की प्रक्रिया में पायी गई त्रुटियों का सुधार किया गया है। योजना में 40 किलोलीटर उच्चस्तरीय जलागार निर्माण कार्य प्रगति पर है एवं स्टेजिंग का कार्य पूर्ण किया गया है। घरेलू नल कनेक्शन का कार्य प्रगति पर है, कार्य की गुणवत्ता का मापन नियमानुसार किया गया है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही ग्राम जोरातराई में नलजल योजना के अंतर्गत रेट्रोफिटिंग का कार्य पूर्ण कर ग्रामीणों को जलप्रदाय शुरू किया जाएगा।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवसः लगभग 6 लाख बच्चों को खिलाई जाएगी कृमिनाशक गोली

रायगढ़। कलेक्टर भीम सिंह के दिशा-निर्देशन एवं सीएमएचओ डॉ.एस.एन. केशरी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का आयोजन 5 से 10 मई 2022 तक किया जाएगा। जिसमें जिले के 5 लाख 98 हजार 40 बच्चों को कृमिनाशक की दवा खिलाई जाएगी। जिला नोडल अधिकारी डॉ.टी.जी.कुलवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि कृमि संक्रमण विभिन्न कारणों से होता है शौचालय का उपयोग नहीं करना, नंगे पाँव चलना, शौच के बाद तथा खाने के पूर्व अच्छी तरह से हाथ न धोना, फ्रूट-सब्जी को बिना धोये खाना, खाना को बिना ढँके रखना, नाखून बड़ा होना आदि के माध्यमों से कृमि के अण्डे हमारे हाथों पहुँचकर अपनी संख्या बढ़ाते हैं, जिसके कारण हम जो भी भोजन करते हैं उसकी पौष्टिकता को कृमि शोषित कर लेता है। जिससे बच्चों में कुपोषण, बार-बार बीमार पडऩा, खून की कमी, थकान महसूस करना, बौद्धिक क्षमता में कमी, मानसिक एवं शारीरिक विकास कम होना, एनिमिया आदि के कारण स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। जिले के 1-19 वर्ष के लक्षित बच्चों को कृमि मुक्त करने हेतु जिले के समस्त बच्चों को समुदाय स्तर पर एवं गृह भेंटकर मितानिनों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से बच्चों को कृमिनाशक गोली (एलवेण्डा जॉल) खिलाई जाएगी। 2 से 3 वर्ष के बच्चों को 1 गोली चुरा कर (पिस कर)पानी के साथ सेवन करायी जाएगी।

कोरोना संक्रमण व महंगाई पर टीम भावना के साथ काम करें सभी सीएम-पीएम

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को लेकर सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बैठक की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, बीते दो वर्षों में कोरोना को लेकर ये हमारी 24वीं मीटिंग है। कोरोना काल में जिस तरह केंद्र और राज्यों ने मिलकर काम किया, उसने कोरोना के खिलाफ देश की लड़ाई में अहम भूमिका निभाई है।

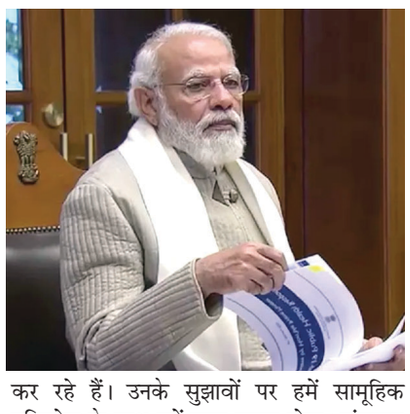

ये स्पष्ट है कि कोरोना की चुनौती अभी पूरी तरह टली नहीं है। ओमिक्रोन और उसके सब वैरिएंट्स किस तरह गम्भीर परिस्थिति पैदा कर सकते हैं, ये यूरोप के देशों में हम देख सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा, हमारे वैज्ञानिक और विशेषज्ञ नेशनल और ग्लोबल स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं। उनके सुझावों पर हमें सामूहिक दृष्टिकोण के साथ हमें काम करना होगा। संक्रमण को शुरुआत में ही रोकना हमारी प्राथमिकता पहले भी थी, आज भी यही रहना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा, हमारे देश में लंबे समय के बाद स्कूल खुले हैं, ऐसे में कोरोना केस के बढ़ने से कहीं न कहीं अभिभावकों की चिंता बढ़ रही है। बच्चों के संक्रमित होने की खबरें सामने आ रही है। लेकिन संतोष की बात है कि बच्चों को वैक्सीन का कवच मिल रहा है। कल ही छह से 12 साल तक के बच्चों के लिए कोरोना टीकाकरण की अनुमति मिल गई है। पहले की तरह स्कूल में विशेष अभियान चलाने की जरूरत होगी।

स्वास्थ्य ढांचे को अपग्रेड करते रहें

प्रधानमंत्री ने कहा, दो साल के भीतर देश ने हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर ऑक्सीजन तक सुधार किया है।आज कोरोना की जो स्थिति है, उसमें यह जरूरी है कि अस्पतालों में भर्ती मरीजों का आरटीपीसीआर टेस्ट जरूर किया जाए और पॉजिटिव आने वाले मरीजों के सैंपल जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए जरूर भेजे जाएं। पीएम ने कहा, यह सुनिश्चित करें कि जनता में पैनिक न फैले। हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने का काम चलता रहना चाहिए। सारी सुविधाएं संचालित स्थिति में हों, यह भी सुनिश्चित करें। अगर कहीं कोई समस्या है, उसे उच्च स्तर पर सुलझाया जाए।

पेट्रोल-डीजल पर टैक्स कम करें राज्य

वैश्विक संकट के बीच तेल के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में पीएम मोदी ने कहा, आज की वैश्विक परिस्थितियों में केंद्र और राज्य सरकारों का तालमेल, सामंजस्य पहले से अधिक आवश्यक है। युद्ध की परिस्थिति से सप्लाई चैन प्रभावित हुई है, ऐसे माहौल में दिनों-दिन चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। पीएम मोदी ने कहा, पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमत का बोझ कम करने के लिए केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी में पिछले नवंबर में कमी की थी। राज्यों से भी आग्रह किया गया था कि वो अपने यहां टैक्स कम करें। कुछ राज्यों ने तो अपने यहां टैक्स कम कर दिया, लेकिन कुछ राज्यों ने अपने लोगों को इसका लाभ नहीं दिया गया। मेरा आग्रह है कि देशहित में राज्य भी टैक्स कम करेंगे तो जनता को फायदा होगा।

अस्पतालों का कराएं सेफ्टी ऑडिट

प्रधानमंत्री ने कहा, देश में गर्मी बढ़ती जा रही है। बढ़ती गर्मी के समय में हम अलग-अलग स्थानों पर आग की बढ़ती हुई घटनाएं देख रहे हैं। पिछले साल कई अस्पतालों में आग लगी, वो बड़ी दर्दनाक स्थिति थी। मेरा सभी राज्यों से आग्रह है कि हम अभी से अस्पतालों का सेफ्टी ऑडिट कराएं, सुरक्षा के इंतजाम पुख्ता करें। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोनावायरस के 2,927 नए मामले सामने आए हैं। इसी के साथ देश में कुल संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 4,30,65,496 हो गई है।

विभाग प्रमुख शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाएं - डॉ. डहरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

प्रभारी मंत्री ने गांवों में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास, श्रम तथा जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों से विभाग में संचालित योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने को कहा।

बैठक में प्रभारी मंत्री डॉ. डहरिया ने जिले के सभी नगरीय निकायों में संचालित कार्यों एवं प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से आमजनों की समस्याओं के निराकरण की स्थिति, वाटर एटीएम, जल आवर्धन, प्रधानमंत्री आवास, पौनी पसारी योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी ली। जल आवर्धन योजना के तहत् निकायों में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को दिए। भागीरथी नल-जल योजना की समीक्षा करते हुए स्वीकृत कार्यों की जानकारी ली तथा कार्य में प्रगति नहीं होने पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी कुसमी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। नगर पंचायत राजपुर में स्वीकृत जल आवर्धन योजना को एक सप्ताह के अंदर पूर्ण करने के निर्देश लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी को दिये। उन्होंने नगरीय निकाय क्षेत्र के अंतर्गत सभी भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने को कहा। प्रभारी मंत्री ने सभी नगरीय निकायों में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के संबंध में चर्चा की। प्रभारी मंत्री डॉ. डहरिया ने कहा कि गोधन न्याय योजना शासन की प्राथमिकता वाली योजना है, इसे ग्राम पंचायतों के साथ जिले के सभी नगरीय निकायों में भी सुचारू रूप से संचालित किया जाना है।

राजस्व विभाग की समीक्षा में अविवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन सहित अन्य राजस्व प्रकरणों को समय-सीमा में निराकरण करने को कहा। उन्होंने पटवारियों की उपस्थिति मुख्यालय में सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। मंत्री डॉ. डहरिया ने भूमि संबंधी रिकार्ड जैसे नकल, खसरा, बी-1 लोगों को तत्काल मिल सके, ऐसी व्यवस्था करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रभारी मंत्री ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी से पेयजल समस्या वाले गांवों में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था हेतु कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र पेयजल व्यवस्था करने के निर्देश दिये। नल-जल योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए प्राथमिकता के साथ घरों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा।

जिले के प्रभारी मंत्री ने जिला शिक्षा अधिकारी से स्कूल संचालन की स्थिति, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम स्कूलों में शिक्षकों की पदस्थापना तथा चल रहे निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने मध्यान्ह भोजन की समीक्षा की तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने को कहा। डॉ. डहरिया ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की जानकारी लेते हुए कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य केन्द्रों में सभी आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराएं। उन्होंने जिला चिकित्सालय में हमर लैब को यथाशीघ्र प्रारम्भ करने को कहा, ताकि आम व्यक्तियों को लैब से संबंधित सभी सुविधाएं अस्पताल में ही उपलब्ध हो सकें। हाट-बाजार क्लीनिक योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए इस योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने तथा हाट-बाजार क्लीनिक में आयुष्मान कार्ड बनाने के भी निर्देश दिये।

जिले में बनेंगे 75 नए अमृत सरोवर, जल स्तर में होगा सुधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत रायपुर जिले में 75 नए अमृत सरोवर (तालाब) बनाए जाएंगे। इन तालाबों के बन जाने से जिले में भू जल स्तर में सुधार होगा साथ ही ग्रामीणों को निस्तारी के लिए पर्याप्त पानी भी उपलब्ध हो सकेगा। हर विधानसभा क्षेत्र में अमृत सरोवर बनाए जाएंगे। इन तालाबों के लिए जरूरी राशि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से मिलेगी। इसी तरह जिले के हर विधानसभा में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत मॉडल आंगनबाड़ी केन्द्र भी बनाए जाएंगे जहां छोटे बच्चों के शारिरिक और मानसिक विकास के लिए बेहतर सुविधाए होंगी।

सांसद सुनील सोनी की अध्यक्षता में हुई जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में इस संबंध में चर्चा के बाद निर्णय लिया गया। सासंद सोनी ने अधिकारियों को इसके लिए जल्द से जल्द जरूरी प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में हुई इस बैठक में केंद्र सरकार द्वारा जिले में संचालित योजनाओं और विकास कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न मांगो, सुझावों और शिकायतों को भी उपस्थित अधिकारियों को बताया गया। सांसद सोनी ने जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गये सुझावों और मांगो-शिकायतों पर भी तेजी से कार्यवाही करने के निर्देश उपस्थित अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विधायक सत्यनारायण शर्मा, रायपुर उत्तर विधानसभा के विधायक कुलदीप जुनेजा, धरसीवां विधानसभा क्षेत्र के विधायक मति अनिता योगेन्द्र शर्मा, रायपुर नगर निगम के महापौर एजाज ढेबर, बिरगांव नगर निगम के महापौर नंद लाल देवांगन, जिला पंचायत रायपुर की अध्यक्ष श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा, जनपद पंचायतों के अध्यक्ष, कलेक्टर सौरभ कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल, रायपुर नगर निगम आयुक्त प्रभात मलिक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मयंक चतुर्वेदी सहित कई जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

तीन नए सदस्यों का बैठक में हुआ स्वागत- जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में आज अध्यक्ष सुनील सोनी ने तीन नए सदस्यों के नियुक्त होने की जानकारी दी। अध्यक्ष सोनी ने बैठक में तीन नए सदस्यों देव जी भाई पटेल, अशोक बजाज और संजय गोकुलवार का स्वागत किया और अन्य सदस्यों तथा अधिकारियों से परिचय भी कराया।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में सांसद सोनी ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना, एकीकृत बाल विकास योजना आदि केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की।

मोतियाबिंद मुक्त कार्यक्रम के तहत विकासखण्ड प्रतापपुर को मोतियाबिंद मुक्त की कवायद

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। जिले के विकासखण्ड प्रतापपुर में मोतियाबिंद और अन्य नेत्र से पीड़ितों को राहत देने के लिए डॉ. आर एस सिंह सीएमएचओ के निर्देशन पर मोतियाबिंद मुक्त जिला कार्यक्रम के तहत विकास खण्ड प्रतापपुर आदिवासी की बहुलता वाले इस ब्लाक में अभियान चलाया जा रहा है।

इससे पूर्व स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, सुपरवाईजरो को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रतापपुर में डॉ. तेरस कंवर नोडल अधिकारी अंधत्व, मुकेश राजवाड़े सहायक नोडल अधिकारी, अमित चौरसिया एवं मारूती नंदन चक्रधारी नेत्र सहायक अधिकारी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया था। जिसमें सीएओ, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा सर्वेक्षण कार्य कर सूची तैयार की गई थी। तत्पश्चात चिन्हित नेत्र रोगियों का नेत्र सहायक अधिकारियों के द्वारा जांच कर उनका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है। इस अभियान में सीएओ, महिला व पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा डोर टू डोर नेत्र सर्वेक्षण किया गया।

अंधत्व निवारण कार्यक्रम के नोडल अधिकार डॉ. तेरस कंवर ने बताया कि इस कार्यक्रम में सर्वे के बाद चयनित मरीजों का ऑपरेशन किया जा रहा। मरीजों हेतु घर पहुंच परिवहन की व्यवस्था की गई है। गंभीर मरीज को मेडिकल कालेज रेफर कर उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि मोतियाबिंद की बीमारी को दूर करने के लिए स्वास्थ्य विभाग हर साल अंधत्व निवारण कार्यक्रम के जरिए इस बीमारी को दूर करने की कोशिश कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक कई मरीजों को लैंस प्रत्यारोपण कर उन्हें रौशनी दी जा रही है। वर्ष 2021-22 में जिले के 1856 मोतियाबिंद ऑपरेशन संपन्न हये है जिसमें 666 ऑपरेशन जिला चिकित्सालय तथा 739 लाईफ लाईन एक्सप्रेस ट्रेन बिश्रामपुर में व 401 अन्य स्थानो में हुए है।

सहायक नोडल अधिकारी डॉ. मुकेश राजवाड़े ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए 15 नेत्र सहायक अधिकारियों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। सर्वेक्षण कार्य के बाद नेत्र सहायक अधिकारी अपनी टीम के साथ गांवों में जाकर सर्वेक्षित मरीज का सत्यापन करेंगे। इस काम में उनका सहयोग, बीईई, आरएमए, सुपरवाइजर, मितानिन, महिला व पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता उनका सहयोग करेंगे। इस कार्यक्रम को लेकर सभी नेत्र सहायक अधिकारियों को पहले ही जानकारी दे दी गई है।

मुख्यमंत्री के दौरे से पूर्व नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया का दौरा, योजनाओं और विकास कार्यों की ली जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के जिला भ्रमण से पूर्व नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ शिवकुमार डहरिया योजनाओं व कार्यों की जमीनी हकीकत जानने बुधवार को बलरामपुर और अम्बिकापुर पहुंचे। डॉ. शिवकुमार डहरिया ने जिला मुख्यालय बलरामपुर के नवीन बस स्टैण्ड में मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत् मोबाईल मेडिकल यूनिट, वार्ड क्रमांक 14 में निर्माणाधीन डामरीकृत सड़क, जिला चिकित्सालय, धन्वंतरी मेडिकल स्टोर व प्रधानमंत्री आवास तथा जनपद कार्यालय का निरीक्षण किया।

जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रस्तावित विधानसभावार दौरे की तैयारियों का जायजा लेने पहुँचे थे।

मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने जिला मुख्यालय में नवीन बस स्टैण्ड में मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत् मोबाईल मेडिकल यूनिट का निरीक्षण कर अपना ब्लड प्रेशर चेकअप कराया। उन्होंने इस योजना का अधिक से अधिक लोगों तक लाभ पहुंचाने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिये। उन्होंने नवीन बस स्टैण्ड में निर्मित दुकानों का आबंटन शीघ्र कराने के निर्देश मुख्य नगर पालिका अधिकारी बलरामपुर को दिये।

मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर मरीजों व उनके परिजनों से अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने जिला अस्पताल में संचालित डायलिसिस यूनिट व निर्माणाधीन हमर लैब का अवलोकन किया। डहरिया ने हमर लैब यूनिट को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिये। अस्पताल परिसर में संचालित धन्वंतरी क्लीनिक का निरीक्षण किया तथा दवाई क्रय करने आये हितग्राहियों से दवाई में दी रही छूट के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने धन्वंतरी मेडिकल के संचालक से दवाई की उपलब्धता के संबंध में जानकारी लेते हुए सभी आवश्यक दवाएं रखने के निर्देश दिये।

नगर पालिका बलरामपुर के वार्ड क्रमांक 14 में निर्माणाधीन डामरीकृत सड़क के निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने सड़क की गुणवत्ता को लेकर नाराजगी जताई तथा उक्त सड़क की गुणवत्ता के जांच करने के निर्देश दिये। उन्होंने शहरी प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत वार्ड क्रमांक 05 में ईश्वर मिंज के नवनिर्मित मकान का अवलोकन किया।

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

GREEN COMPUTER
Sales, Services, Repairs
Laptop Repairing
Printer
Desktop
7/2, Dakshin Gangotri,
Supela, Bhilai
0788-4083385

Y Fitness
start
17500/-
Bajaj
Finance
Available
• Gym Servicing
• Gym Equipment &
Accessories Available
• Home Treadmill &
Gym Service Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7
Dakshin gangotri, Supela, Bhilai
Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

मथुरावासी
चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के
आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone,Samsung, MI,
Oppo, Vivo, Nokia, HTC,
Blue tooth Charger,
Power Bank, Ear Phone,
BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट,
फ्राक, फैंसी सलवार सूट
एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स,
गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh
Jewellers,
Akash Ganga,
Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

तार और टावर से एंगल काटकर बेचने वाला बिजली कंपनी का मैनेजर बिलासपुर में गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने बिजली के टावर चोरी के मामले में पीएसपीडीसीएल के मैनेजर समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, बिजली कंपनी के सामान को खरीदने वाला कबाड़ी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। बीते दिनों रतनपुर और चकरभाठा क्षेत्र में बिजली के टावर से एंगल चोरी का मामला सामने आया था। बिजली के टावरों से हो रही चोरी के मामले में एसपी पारुल माथुर ने एसीसीयू और सभी थाना प्रभारियों को आरोपित को पकड़ने निर्देश दिए थे। इसी क्रम में एसीसीयू की टीम कबाड़ियों पर नजर रखे हुए थी। सोमवार को टीम ने दो कबाड़ियों के ठिकानों पर दबिश दी। इसमें उनके कब्जे से वाहनों के कटे हुए पार्ट्स मिले। इसके बाद पुलिस ने मंगलवार को टीम ने मंगला चौक में सोनू कबाड़ी के ठिकाने पर दबिश दी। उसके पास से लोहे का सामान जब्त किया गया। जांच के दौरान पता चला कि एक व्यक्ति बाबा कबाड़ी के पास पिकअप में बिजली के सामान और एंगल बिक्री करने आया हुआ है। टीम ने दबिश देकर मौके से मनोहर सिंह सलाम(36) निवासी ग्राम उपका थाना कोटा को पकड़ लिया। पूछताछ में वह पुलिस को गुमराह कर रहा था। कड़ाई करने पर उसने अपने आपको सीएसपीडीसीएल का मैनेजर बताया। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर बिजली के टावर से एंगल और तार चोरी कर कबाड़ी के पास बेचना स्वीकार किया। कबाड़ी बाबा के ठिकाने से भी पुलिस ने टावर के एंगल जब्त किए हैं। इसके अलावा चार बंडल एल्युमिनियम के तार, बोलेरो वाहन, लोहे का पाइप जब्त किया गया है। मामले में पुलिस ने मैनेजर मनोहर सालम के साथ ही उसके साथियों दीपराज बघेल(21) निवासी कुदुदंड, कार्तिक बघेल(50) निवासी कोनी, इंद्रदेव पोर्ते(28) निवासी उपका थाना कोटा को गिरफ्तार किया गया है।

नहाने गए युवक की नहर में डूबने से मौत, फैक्ट्री से काम करके लौट रहा था घर

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में नहाने गए युवक की नहर में डूबने से मौत हो गई। खबरों के अनुसार तीन साथियों के साथ नहर में नहाते समय एक युवक नहर में डूबने लगा और उसकी मौत हो गई। यह घटना तिल्दा-नेवरा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार भाटापारा शाखा नहर बगदई पुलिया में यह हादसा हुआ है। मृतक युवक फैक्ट्री में मजदूरी का काम करता था। तीनों युवक फैक्ट्री में काम से वापसी के दौरान नहाने के लिए रुके थे। दो साथी और परिजन के द्वारा देर रात पुलिस को सूचना दी।

कचना हाउसिंग बोर्ड में एक साथ पांच फ्लैट का टूटा ताला

रायपुर (ए)। खम्हारडीह इलाके की कचना हाउसिंग बोर्ड कालोनी में चोरी ने धावा बोला। पांच घरों को निशाने में लिया। इसमें से चार घर खाली थे। जहां कोई नहीं रहता था। एक घर लोग रह रहे थे। जहां से लगभग 50 हजार रुपये की चोरी वारदात हुई। खम्हारडीह थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। खम्हारडीह थाने से मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित रवि गुप्ता ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। रवि प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। वह कंपनी के काम से दिल्ली गए थे। लौटकर आए तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था। नगदी रकम लगभग 50 हजार रुपये अज्ञात चोर चुरा ले गए। वहीं जब आस-पास के फ्लैट को देखा गया तो चार और फ्लैट का ताला टूटा हुआ था। इसके बाद थाने आकर इसकी जानकारी दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बंद गोदाम से आयल लेकर आरोपी फरार

रायपुर (ए)। खमतराई इलाके के एक आयल गोदाम में चोरी का मामला सामने आया है। आरोपितों मंगलवार की रात को दीवार फांदकर घुसा और छह ड्रम आयल चुरा ले गया। चोरी गए आयल की कीमत लगभग 60 हजार रुपये बताई गई है। बुधवार को गोदाम खोलने पर चोरी का पता चला और गोदाम मालिक प्रवीण अग्रवाल ने थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस का कहना है कि चोर एक से अधिक हो सकते हैं। उनकी तलाश की जा रही है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में हादसा

तेज आंधी-तूफान में उड़े पंडाल, कई दूल्हा दुल्हन सहित आधा दर्जन ग्रामीण घायल

जशपुर (ए)। जशपुर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम के दौरान बुधवार को हादसा हो गया। तेज आंधी-तूफान के चलते कार्यक्रम में लगे पंडाल उखड़ गए। इसके चलते कई दूल्हा-दुल्हन सहित आधा दर्जन से ज्यादा ग्रामीण घायल हुए हैं। इसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है।

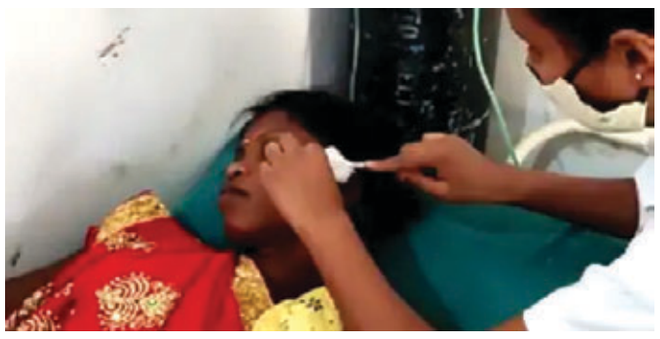

जानकारी के मुताबिक, सन्ना क्षेत्र में बुधवार को मुख्यमंत्री योजना के तहत सामूहिक विवाह का कार्यक्रम था। इसमें पंडाल लगाए गए थे और शादी कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान मौसम बदला और तेज आंधी और अंधड़ चलना शुरू हो गया। हवा इतनी तेज थी कि पंडाल उखड़ कर गिर पड़े। और वहां अफरा-तफरी मच गई। हर कोई बचने के लिए इधर-उधर भगाने लगा।

इस भगदड़ और पंडाल गिरने से शादी कराने आए पंडित बगीचा निवासी कृष्णा पंडा सहित कई दूल्हा-दुल्हन व ग्रामीण घायल हो गए। सभी को सन्ना प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालांकि किसी को ज्यादा चोटें नहीं आई हैं। इसके बाद फिर से शादी कार्यक्रम शुरू किया गया है। कार्यक्रम में 3 ईसाई जोड़े और 50 हिंदू जोड़े की शादी होने वाली है।

ओवरटेक करने की चक्कर में स्लिप हुई बाइक, पीछे बैठा 13 साल का बच्चा नीचे गिरा,बस ने कुचला

जशपुर (ए)। जशपुर में बुधवार सुबह एक यात्री बस ने 13 साल के बच्चे को कुचल दिया। बच्चा बाइक पर पीछे बैठा हुआ था। ओवरटेक करने की कोशिश में बाइक फिसली तो बच्चा सड़क पर गिर गया। इसी दौरान सामने से आ रही बस उसका सिर कुचलते हुए निकल गई। हादसे में बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण के कारण वाहनों के निकलने की जगह नहीं है। हादसा पत्थलगांव थाना क्षेत्र में हुआ है। जानकारी के मुताबिक, रेस्ट हाउस पारा निवासी ताजुद्दीन अंसारी का 13 साल का बेटा अपने एक साथी के साथ बाइक पर जा रहा था। अभी वे घर से कुछ दूर अंबिकापुर रोड पर पहुंचा था कि ओवरटेक करने की कोशिश में बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह फिसल गई। इसके चलते पीछे बैठा बच्चा स्लिप हो गया और सड़क पर आ गिरा। तभी अंबिकापुर से रायगढ़ की ओर जा रही बस उसका सिर कुचलते हुए निकल गई।

सड़क किनारे खड़े वाहन बनते हैं हादसे का कारण

हादसे के बाद सड़क पर जाम लग गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इसके बाद ट्रैफिक क्लियर कराया गया। बताया जा रहा है कि सड़क किनारे अवैध रूप से वाहनों का कब्जा रहता है। इसके चलते हमेशा ही अंबिकापुर रोड पर ट्रैफिक जाम के हालात रहते हैं। फिर भी तेज रफ्तार में वाहन सड़कों पर दौड़ते रहते हैं। इस हादसे में भी बाइक के स्लिप होने का यही कारण सामने आ रहा है।

कुछ दिनों पहले प्रशासन ने की थी कार्रवाई

कुछ दिन पहले प्रशासन की टीम ने दुकानदारों के आगे सड़क तक फैली सामग्री और बोर्ड को हटवाया था। इसके साथ ही दोबारा नहीं लगाने की चेतावनी भी दी थी। इसके बाद भी कुछ दिन ठीक रहा, फिर हालत वही हो गए। लगातार सड़क अतिक्रमण जारी है।

15 फीट ऊंचे पुल से गिरे बाइक सवार की मौत

एनीकट पर कीचड़ में फिसली बाइक, सिर फटा

धमतरी (ए)। धमतरी में बुधवार को हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। बाइक फिसलने से युवक करीब 15 फीट ऊंचे पुल से नीचे जा गिरा। इसके चलते उसका सिर फट गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामला अर्जुनी थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, गोकुल नगर निवासी पोमेश साहू (22) पुत्र मकसूदन साहू बुधवार सुबह बाइक से किसी परिचित के पास दरगहन जाने के लिए निकला था। दरगहन में

ही रास्ते में एनीकट पर कीचड़ होने के चलते उसकी बाइक फिसल गई। बैलेंस बिगड़ने से पोमेश बाइक सहित पुल से नीचे जा गिरा।

करीब 15 फीट ऊंचे पुल से नीचे गिरने के कारण उसका सिर फट गया और मौके पर ही मौत हो गई। सुबह-सुबह हादसा होते देख आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद बाइक नंबर के आधार पर उसकी शिनाख्त कर परिजनों को जानकारी दी। उनके आने के बाद पोस्टमार्टम करा शव सौंप दिया गया है।

बैंक से लौट रहे किसान के थैले से रुपये पार

बिलासपुर (ए)। चोरों ने सीपत क्षेत्र में बैंक से रुपये निकाल कर लौट रहे किसान के थैले से 12 हजार रुपये पार कर दिए। घर लौटने के बाद किसान को इसकी जानकारी हुई। उन्होंने घटना की शिकायत सीपत थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर चोरों की तलाश कर रही है।

सीपत क्षेत्र के कौड़िया में रहने वाले कंवलधर पटेल किसान हैं। बुधवार की दोपहर वे सीपत स्थित जिला सहकारी बैंक में रुपये निकालने के लिए आए थे। उनके साथ गांव के अमीर सिंह भी थे। बैंक से उन्होंने 12 हजार रुपये निकलवाए। इसके बाद वे गांव लौट रहे थे। दोपहर 12:30 बजे से सीपत के नवाडीह चौक के पास पहुंचे थे। वहां पर किसान ने बाइक रोककर फल लिया। इस दौरान रुपयों से भरा थैला उनकी बाइक में ही था। फल लेने के बाद वे अपने साथी के साथ गांव लौट गए। घर जाकर उन्होंने देखा कि थैले में रखे रुपये गायब थे। साथ ही उनका पासबुक भी नहीं था। उन्होंने नवाडीह चौक में जाकर इसकी जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने बैंक के पास भी पूछताछ की। बाद में उन्होंने सीपत थाने में घटना की शिकायत की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

बिलासपुर में पानी को लेकर विवाद, पड़ोसियों ने एक दूसरे के मकान में लगा दी आग

बिलासपुर (ए)। सरकारी नल में पानी भरने को लेकर हुए विवाद के बाद पड़ोसियों ने एक दूसरे के मकान में आग लगा दी। आसपास के लोगों ने आग को किसी तरह बुझाया। इसके बाद दोनों ने घटना की शिकायत कोटा थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। कोटा के गड्ढापारा में रहने वाले मोहम्मद अल्ताफ किराना दुकान चलाते हैं। उनके पड़ोस में नगर पंचायत में काम करने वाले तरकीब शाह रहते हैं। मंगलवार की दोपहर दोनों के परिवार वालों के बीच सरकारी नल से पानी भरने को लेकर विवाद हुआ था। आसपास के लोगों की समझाइश के बाद विवाद शांत हो गया था। देर रात तरकीब शाह के मकान में आग लग गई। आसपास के लोगों ने किसी तरह आग को बुझाया। आग से घर में रखे कपड़े, छप्पर जल गए। इसके बाद आसपास के लोग अपने घरों में सोने चले गए। इसके कुछ देर बाद ही अल्ताफ के मकान में भी आग लग गई। आग लगने की जानकारी होने पर मोहल्ले वाले वहां आए। मोहल्ले वालों ने किसी तरह आग को बुझाया।

दो हजार से अधिक मकान मालिकों से सर्विस टैक्स लेकर फंसा हाउसिंग बोर्ड, कोर्ट पहुंचा मामला

रायपुर (ए)। भिलाई स्थित छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के सबसे बड़े प्रोजेक्ट तालपुरी इंटरनेशनल कालोनी में सर्विस टैक्स विवाद अभी तक खत्म नहीं हो पाया है। तालपुरी में निवेश करने वाले प्रदेशभर के अलग-अलग जिलों के लोगों ने हाउसिंग बोर्ड से पैसा वापस लेने के लिए लड़ाई तेज कर दी है। उपभोक्ता फोरम और न्यायालय में प्रकरणों पर सुनवाई भी लंबित है।

सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त जानकारी के मुताबिक, हाउसिंग बोर्ड ने वर्ष-2012 से लेकर वर्ष-2017 तक तालपुरी में मकान खरीदने वाले मकान मालिकों से सर्विस टैक्स के नाम पर अलग से 50 हजार से लेकर ढ़ाई लाख रुपये तक की राशि वसूल की। कुल मिलाकर 21 करोड़ के करीब की राशि एकत्र की गई। राशि को लेकर विवाद उस समय खड़ा हुआ। जब यहा के निवासियों को दस्तावेजों से यह पता चला कि सर्विस टैक्स देने की जिम्मेदारी मकान मालिकों की नहीं है, बल्कि यह मकान की कीमत में पहले से जुड़ी हुई है। सर्विस टैक्स, निर्माण एजेंसी को चुकाना होगा।

तालपुरी में रहने वाले लोगों की शिकायत के बाद तथ्यों के आधार पर हाउसिंग बोर्ड के तत्कालीन आयुक्त संजीव शुक्ला ने 21 अगस्त 2014 को कार्यपालन अभियंता-दुर्ग को चिट्ठी लिखी कि तालपुरी के आवंटियों से सर्विस टैक्स की राशि वसूल नहीं की जाए। यदि पूर्व में राशि वसूल कर ली गई हो तो यह राशि आवंटियों को वापस कर दिया जाए, लेकिन हाउसिंग बोर्ड के खिलाफ लोगों ने कोर्ट में याचिका लगाई तब जाकर एक-एक प्रकरण के आधार पर बोर्ड ने पैसा वापस किया। सभी लोगों को अभी तक राशि वापस नहीं की गई है।

आयुक्त के पत्र के बाद भी वसूली करते रहे

तालपुरी सोसायटी के पदाधिकारियों का कहना है कि वर्ष-2014 में हाउसिंग बोर्ड आयुक्त की चिट्ठी के बाद भी सर्विस टैक्स की राशि वसूल की जाती रही। जबकि एक-एक मकान मालिकों को बुलवाकर प्रबंधन को राशि वापस करना था। लोगों को मजबूरी में कोर्ट जाना पड़ा। कोर्ट के आदेश के बाद लोगों को न्याय मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट में भी हाउसिंग बोर्ड को झटका मिल चुका है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बेमेतरा

शीतला मंदिर के पास सिंघौरी, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

E-mail Id- eeres.bemetara@gmail.com Phone No. 07824222332

क्र./715/का.अभि/वलेलि/ग्रा.यां.सेवा/2022-23 बेमेतरा, दिनांक 19/04/2022

ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 04

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत (लोक निर्माण विभाग में) ''द'' एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न दर्शित सिविल कार्य हेतु मुख्य अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा निर्माण एवं संधारण कार्य हेतु दर अनुसूची जो दिनांक 01.11.2021 तथा मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी एस.ओ.आर. दिनांक 01.01.2015 तथा विद्युत कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी एस.ओ.आर. दिनांक 01.06.2020 में प्रचलित दरों पर ऑनलाईन प्रतिशत दर पर दिनांक 05.05.2022 तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदायें दिनांक 10.05.2022 को अपरान्ह 12.00 बजे खोली जावेगी।

1. अमानत राशि रू. 30000.00 (स.क्र. 01 एवं 02) के लिए अलग-अलग।
2. कार्य पूर्ण करने की अवधि - 6 माह वर्षा ऋतु सहित (प्रति कार्य)
3. ठेकेदार की श्रेणी - ''द'' एवं उच्च वर्ग

सं. क्र.	कार्य का नाम एवं स्थल	ठेके की अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.में)
1.	कन्स्ट्रक्शन ऑफ बेसमेंट पार्किंग एरिया निर्माण कार्य पुराना जनपद बेमेतरा, वि.ख. बेमेतरा	39.96	1500
2.	कन्स्ट्रक्शन ऑफ गोडाउन, लिफ्ट एण्ड स्टेयर निर्माण कार्य पुराना जनपद बेमेतरा, वि.ख. बेमेतरा	39.63	1500

(जे. एल. ध्रुव)
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-बेमेतरा
जिला - बेमेतरा (छ.ग.)

जी-90633/5

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875, 99938-08453, 75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी वियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

मिस एंड मिसेस
लेडिस वेयर
• गाऊन • ब्रा. पेन्टी • नाईटी • ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. - 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

जनस्वास्थ्य विभाग ने चलाया टाउनशिप में सघन फोगिंग अभियान

भिलाई। जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा टाउनशिप में सघन फेगिंग अभियान विगत 04 अप्रेल, 2022 से जारी है। इस संबंध में विभाग द्वारा विभिन्न तिथियों में फेगिंग किये जाने वाले स्थल/सेक्टर का शेड्यूल जारी किया गया था। प्रेस रिलीज भी जारी कर लोगों से अपील भी की गई थी कि शेड्यूल के अनुसार उनके क्षेत्र में होने वाले फेगिंग कार्य का मार्गदर्शन कर सुनिश्चित करें कि कोई भी जगह ना छूटे। वर्तमान में फेगिंग अंतिम चरण में है व रुआबांधा तथा मरोदा सेक्टर में शेष है। इसके अलावा छुटे हुए क्षेत्र में भी फेगिंग किया जाएगा।

आरएमपी के कार्मिक कर्म शिरोमणि पुरस्कार से हुए सम्मानित

भिलाई। कर्म शिरोमणि पुरस्कार प्राप्त करने वाले श्रमवीरों में उमाशंकर, सूरज भान केरकेटटा, डी निवास, नागेश, कांत ज्ञानेश्वर बलबीर, रामबाबू शामिल थे। मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (आरएमपी) आर के वास्तव ने अपने उदबोधन में कहा कि आरएमपी-1, 2 एवं 3 के हमारे श्रमवीरों ने अपने कर्तव्यनिष्ठा से नित नई ऊंचाईयां हासिल कर रहे हैं तथा नए रिकार्ड बना रहे हैं। हम सब को इस नये वित्तीय वर्ष में नये लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कमर कस कर तैयार रहना है तथा समय पूर्व उन लक्ष्यों को हासिल करने की पुरजोर कोशिश करनी है। साथ ही हमारे सीनियर श्रमवीर जिनके पास अपने कार्य अनुभव का अनमोल खजाना है वे अपने ज्ञान को अपने जूनियर कर्मचारियों के साथ साझा करें जिससे वे आने वाले समय में अपनी क्षमता का भरपूर योगदान देश के विकास में दे सके। विषिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित महाप्रबंधक प्रभारी (आरएमपी-1) के के तिर्की ने विभाग के कार्मिकों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने अनुभवों को अपने कनिष्ठ कर्मचारियों के साथ साझा करे एवं उन्हें भी उत्कृष्ट कार्य कर अवार्ड प्राप्त करने में सहयोग प्रदान करें। महाप्रबंधक (आरएमपी-3) रतन मुखर्जी ने संयंत्र में सुरक्षा तथा हाउस कीपिंग पर कार्मिकों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। महाप्रबंधक (आरएमपी-3) सुशांता पाल ने स्वच्छता, सुरक्षा तथा स्वास्थ्य पर, महाप्रबंधक (आरएमपी-2) वी के ओगले ने संयंत्र में 5-एस कार्यप्रणाली पर अपने विचार व्यक्त किये।

विधायक अरुण वोरा, गुलाब कमरो, यूडी मिंज, मोहित केरकेट्टा ने सीएम से मुलाकात की

मितानिन संघ की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का किया अनुरोध

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा के साथ तीन अन्य वरिष्ठ विधायकों ने आज मितानिनों की मांगों से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को अवगत कराया। सीएम हाउस में वोरा के साथ कांग्रेस विधायक गुलाब कमरो, यूडी मिंज, मोहित केरकेट्टा ने मुख्यमंत्री से मुलाकात करते हुए मितानिनों की समस्याओं से अवगत कराया।

चारों विधायकों ने सीएम से मितानिनों की मांगों का यथोचित समाधान करने का अनुरोध किया। सीएम ने चारों विधायकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा मितानिनों की मांगो पर सहानुभूतिपूर्वक शीघ्र ही उचित निर्णय लिया जाएगा।

इससे पहले आज सुबह विधायक अरुण वोरा के निवास पर काफी बड़ी संख्या में मितानिनों के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक अरुण वोरा को विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। वोरा ने मितानिनों की मांगों को मुख्यमंत्री को अवगत कराने और मांगों को पूरा कराने आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया। इसके बाद वोरा ने दोपहर में सीएम से मुलाकात की और मितानिनों का ज्ञापन मुख्यमंत्री को सौंपा। उन्होंने सीएम से आग्रह करते हुए कहा कि पिछले 21 दिनों से मितानिन संघ के नेतृत्व में हजारों मितानिन आंदोलन कर रही हैं। उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाना चाहिए।

आपको बता दें कि पिछले 21 दिनों से प्रदेश स्वास्थ्य मितानिन संघ पांच सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। मितानिनों ने प्रमुख मांगों में उन्हें दिए जाने वाले राज्य अंशदान का प्रतिशत 75 से बढ़ाकर 100 प्रतिशत किया जाए। घोषणापत्र के अनुसार मितानिनों को प्रतिमाह अतिरिक्त 5 हजार रुपये की राशि दी जाए।

मितानिन पंजी की प्रोत्साहन राशि एक हजार से बढ़ाकर पांच हजार किया जाए। शहरी व ग्रामीण मितानिनों का दावा प्रत्रक एक समान किया जाए। प्रोत्साहन राशि में बढ़ोत्तरी करने और हर माह की 10 तारीख तक भुगतान करने की मांग के साथ ही मितानिनों को बीमा और पीएफ का लाभ देने सहित अन्य मांगे शामिल हैं।

नगरीय प्रशासन मंत्री से मिले वोरा

दुर्ग में विकास कार्यों के लिए राशि जारी करने का आग्रह किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ शिव डहरिया से मुलाकात कर दुर्ग शहर में विकास कार्यों के लिए राशि जारी करने का आग्रह किया। वोरा ने कहा कि ठगड़ा बांध के लिए ब्याज मद से राशि स्वीकृत नहीं हुई है। यह कार्य अत्यावश्यक है। राशि न मिलने के कारण वर्तमान में पिकनिक स्पॉट का काम काफी धीमी गति से काम चल रहा है। नगरीय प्रशासन मंत्री ने शीघ्र जारी करने का आश्वासन दिया है। चर्चा के दौरान महापौर धीरज बाकलीवाल भी मौजूद थे।

वोरा ने कहा कि नगर निगम, दुर्ग में वरिष्ठ इंजीनियर या तो सेवानिवृत होने वाले हैं या उनका ट्रांसफर हो गया है। नगर निगम में तीन एक्जीक्यूटिव इंजीनियर की आवश्यकता है। उनकी नियुक्ति होने से विकास कार्यों में गति आएगी और निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग हो सकेगी। वोरा ने नगरीय प्रशासन मंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने सभी नगर निगमों के लिए 140 करोड़ रुपए स्वीकृत किये हैं। दुर्ग नगर निगम को 10 करोड़ रुपए मिलना है।

वोरा ने यह राशि तत्काल जारी करने का आग्रह किया ताकि विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया जा सके। वोरा ने दुर्ग शहर में तालाबों के सौंदर्यीकरण के लिए राज्य प्रवर्तित योजना स्वीकृत होने के बाद राशि न मिलने की जानकारी देते हुए कहा कि यह राशि तत्काल मिलने पर तालाबों का सौंदर्यीकरण हो सकेगा।

महिलाओं की बैठक में निर्णय परशुराम जी का जन्मोत्सव बड़े धुमाधम से मनाया जावेगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। ब्राम्हण समाज के आराध्य देव भगवान श्री परशुराम जी के जन्मोत्सव को बड़े धुमाधाम एवं ऐतहासिक रूप से सफल कार्यक्रम आयोजित करने की रूपरेखा एवं तैयारी के लिए गौड़ ब्राम्हण समाज महिला मंडल दुर्ग के आवश्यक बैठक दुर्गा मंदिर, गंजपारा में आयोजित की गई।

अपने आराध्य देव भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव के अवसर पर गौड़ ब्राम्हण समाज दुर्ग द्वारा दिनाँक 7 मई 2022 को भगवान परशुराम जी की भव्य शोभायात्रा निकाली जा रही है जिसको सफल एवं ऐतहासिक बनाये जाने हेतु ब्राम्हण समाज की महिला सदस्यों की बैठक आयोजित की गयी, बैठक में सभी महिलाओं को अलग अलग जवाबदारी दी गई एवं कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गयी. गौड़ ब्राम्हण समाज महिला मंडल की सदस्यों की बैठक में महिलाओं ने भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अलग अलग टीम बनाकर कार्य करने की जवाबदारी ली जिसमें से 20-20 महिलाओं की 3 टीम को भोजन व्यवस्था, शोभायात्रा व्यवस्था, एवं बाहर जिले से आ रही महिलाओं एवं पुरुषों के सम्मान एवं रुकने ठहरने की व्यवस्था दी गयी है।

बैठक ने महिलाओं से निर्णय लिया कि समाज द्वारा आयोजित भव्य शोभायात्रा जोकि अग्रसेन भवन दुर्ग से प्रारंभ होकर पूरे नगर के प्रमुख स्थानों का से भृमण करते हुए निर्माणधीन श्री परशुराम भवन दुर्ग जावेगी, उसमें पूरे जिले से सर्व ब्राम्हण समाज की महिलाओं को आमंत्रित किया जावेगा, जिसके लिए महिलाएं अलग अलग टीम बनाकर पूरे जिले की सर्व ब्राम्हण समाज की महिला सदस्यों से मिलकर सभी को शोभायात्रा में आने के लिए आमंत्रित करेंगे। जन्मोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम को सफल एवं ऐतहासिक बनाये जाने की अपील की।

नवनिर्मित उत्पाद गमला, पेवर ब्लॉक, रौशनदान एवं कोटना का किया जा रहा है निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम, दुर्ग के पुलगांव जीरो वेस्ट सेंटर में सी एण्ड डी ''निर्माण एवं विध्वंश'' अपशिष्ट प्रबंधन के तहत् महिला स्व0-सहायता समूह एवं सफाई कर्मियों एवं स्वच्छता दीदीयों के आय के साधन हेतु शहर के हर वार्डो से निर्माण कार्य के दौरान नगर निगम की टीम के द्वारा सी एण्ड डी निर्माण एवं विध्वंश अपशिष्ट का संग्रहण नगर निगम के द्वारा चलाये जा रहे विशेष वाहन से संग्रहण कर पुलगांव सी एण्ड डी प्लांट में लाया जाता है ।

जहां पर उसे अलग-अलग प्रकारो जैसे - कांक्रीट, ईंट/मोर्टार, गिट्टी, लकड़ी, लोहा, मिट्टी आदि में छाटकर अलग-अलग खण्डो में रखा जाता है एवं उनसे विभिन्न प्रकार के उत्पादों का निर्माण भी पुलगांव स्थित सेंटर में किया जाता है जैसे-बडे गमले, छोटे गमले, नालियों को ढकने वाले ड्रेन कवन, रौशनदान, घरेलु उपयोग में आने वाली उत्पादो का निर्माण किया जा रहा है । जिससे महिला स्व0-सहायता समूह को आर्थिक रूप से मजबूती मिल रही है एवं आय का साधन बन गया है । इन उत्पादों की शहर एवं बाजार में काफी मांग भी है एवं जो सी एण्ड डी व्यर्थ में सड़को में खाली प्लाटो में अनावश्यक रूप से पड़ा रहना था उसका बहुत ही बडिया तरिके से उपयोग में लाकर उससे निर्मित वस्तुओं सामग्रियों को विक्रय किया जा रहा है । इस सी एण्ड डी प्लांट में शहर के सी एण्ड डी को संग्रहण करने हेतु नगर निगम द्वारा व्यापक तौर पर गाडियों को लगाकर हर वार्डो में घुम-घुमकर जहां सड़को में प्लांटो में रखा पाया जाता है । उसे संग्रहण कर सी एण्ड डी प्लांट में प्रतिदिन लाया जाता है । महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त हरेश मंडावी की पहल से इस प्लांट का निर्माण किया गया है जो कि सराहनीय रूप से कार्य कर रहा है इसमें नगर निगम के कार्यशाला विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का अमला मिल-जुलकर कार्य कर रहा है । सी एण्ड डी निर्माण एवं विध्वंश अपशिष्ट के संग्रहण हेतु नगर निगम में तीन संग्रहण केन्द्र धमधानाका एसएलआरएम सेंटर, रायपुरनाका एसएलआरएम सेंटर एवं पुलगांव एसएलआरएम सेंटर सी एण्ड डी वेस्ट का संग्रहण किया जा रहा है एवं उसे पुलगांव जीरो वेस्ट प्लांट में प्रसंस्कृत (प्रोसेसिंग) हेतु भेजा जाता है ।

महिला स्व सहायता समूह द्वारा स्वच्छता का संदेश देने निकाली जागरूकता रैली दिया स्वच्छता का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम। स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगर पालिक निगम द्वारा स्वच्छता जागरूकता को लेकर वार्ड 1 पंचशील नगर में रैली का आयोजन किया गया जिसमें महापौर धीरज बाकलीवाल निगम कमिश्नर हरेश मंडावी के मार्गदर्शन में एनयूएलएल दुर्ग के महिला समूह के द्वारा वार्ड 1 पंचशील नगर मे वार्ड पार्षद मनीष साहू की उपस्थिति में जागरूकता रैली निकाली गई। जिसमे महिला स्व.सहायता समूह एवं वार्ड की महिलाएं शामिल हुए रैली के माध्यम से लोगों में सड़कों पर खुली जगहों में खाने पीने के बाद सिंगल यूज प्लास्टिक गंदगी डिस्पोजल फैलाया जाता है उसको लेकर जागरूक करना और लोगों में स्वच्छता के प्रति संदेश देना इसका मुख्य उद्देश्य था जहां पर उक्त रैली ने वार्ड एक से भ्रमण कर पूरे वार्ड का भ्रमण किया है जहां लोगों ने रैली के माध्यम से अपील की कि आम जनमानस शादी ब्याह सहित रोजमर्रा में उपयोग आने वाली दिनचर्या में सिंगल उस प्लास्टिक को उपयोग ना करें वही बाजार एवं खुली जगहों पर इन्हें फेंकने से बचें वही बाजार एवं खरीदारी करते समय कैरी बैग का उपयोग ना करें एवं घरों से ही थैला लेकर जाएं और ज्यादा से ज्यादा इसके उपयोग करने से बचें जन समूह को घरों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग कूड़ेदान में देने के लिए भी अपील की गई वही समझाया गया कि सूखा कचरा गीला कचरा को अलग-अलग कर सफाई कर्मियों को दिया जा सके ताकि उनका आगे चलकर उपयोग किया जा सके जिससे शहर को कचरा मुक्त करने में सहयोग हो सकेगा इस दौरान समूह की महिलाओं द्वारा अपील की गई कि घरों में लोग कम से कम बाहर जाते समय कपड़ों के एवं जूट के बने थैले लेकर जाएं जिससे वातावरण दूषित होने से बचेगा वही लोगों में जागरूकता भी फेलगी।

दीनदयाल कॉलोनी का निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने किया निरीक्षण

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल ने भिलाई निगम को किया है कॉलोनी हस्तांतरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त प्रकाश सर्वे ने निगम के अधिकारियों के साथ दीनदयाल आवास योजना जुनवानी के रहवासी कॉलोनी का आकस्मिक निरीक्षण किया। कॉलोनी वासी इस दौरान मौजूद थे। कॉलोनी को निगम को हैंडओवर करने के बाद आयुक्त का यह पहला दौरा था।

रहवासियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा निर्मित दीनदयाल आवास योजना अंतर्गत दीनदयाल कॉलोनी में काफी परिवार निवासरत है, उन्होंने अपनी मूलभूत समस्याओं से अवगत कराया।

बता दें कि महापौर नीरज पाल मूलभूत सुविधाओं को लेकर बेहद गंभीर है। निगम आयुक्त ने कॉलोनी वासियों से पूरे कॉलोनी का निरीक्षण करते हुए पूर्व से संचालित सफाई एवं पेयजल, नाली निकासी के बारे में जानकारी ली। उच्चस्तरीय पानी टंकी से पाइप लाइन विस्तारीकरण एवं घरों में पानी पहुंचने के बारे में अवगत हुए। मोहल्ले वासियों ने सफाई की ओर आयुक्त महोदय को अपनी ओर ध्यान आकर्षित कराया। तत्काल निगमायुक्त ने स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा को गैंग लगाकर सफाई करवाने के निर्देश मौके पर दिए। टैक्स कलेक्शन के लिए विभागीय कैंप लगाने के निर्देश संपत्तिकर विभाग के कर्मचारी बी. एल. असाटी को दिए गए हैं ताकि अप्रैल एवं मई माह में 6.25त्न का छूट का फायदा कॉलोनी वासियों को मिल सके और निगम के राजस्व में बढ़ोतरी हो तथा कॉलोनी की मूलभूत समस्याओं का समाधान भी किया जा सके।

रहवासियों से चर्चा अनुसार टैक्स के लिए कैंप 5 मई से दीनदयाल कॉलोनी में आयोजित किया जाएगा। निगमायुक्त के निरीक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अधिकारी श्री वर्मा, नगर निगम भिलाई से भवन अनुज्ञा अधिकारी हिमांशु देशमुख, कार्यपालन अभियंता संजय शर्मा, प्रभारी सहायक अभियंता आलोक पसीने, उप अभियंता श्वेता वर्मा, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, स्थानीय पार्षद मुकेश अग्रवाल एवं कॉलोनी वासी सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल ने नगर पालिक निगम भिलाई को 32.45 एकड़ औद्योगिक क्षेत्र भिलाई, विश्व बैंक कॉलोनी कुरूद, कैलाश नगर कुरूद, दीनदयाल आवास योजना जुनवानी, दीनदयाल आवास योजना खमरिया तथा सामान्य आवास योजना कोहका भिलाई को नगर पालिक निगम को हस्तांतरण किया है जिसमें दीनदयाल कॉलोनी जुनवानी के घरों की संख्या 636 है, इन घरों में परिवार निवासरत है, इनकी समस्याओं को समझने के लिए निगमायुक्त कॉलोनी में पहुंचे थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950